हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 अंक : 131 प्रयागराज, गुरुवार 18 अगस्त , 2022 हिन्दी दैनिक पृष्ठ–4 मूल्य : 2 रुपया

धमकी की शिकायत के बाद प्रशासन बरत रहा लापरवाही, पीएम, सीएम से भी शिकायत

लखनऊ। अखिल भारत हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी को सर तन से जुदा करने की धमकी मामले को लेकर पार्टी नेताओं ने प्रदेश सरकार से तत्काल प्रभाव से सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। बीते पांच अगस्त को उर्दू में ध मकी भरा पत्र मिलने के बाद में प्रदेश अध्यक्ष ने शहर के कमिश्नर को लिखित सूचना भी दी थी, जिसके उपरान्त अभी तक कोई प्रशासन की ओर से कोई काररवाई न होने पर प्रदेशभर के पार्टी कार्यकर्ताओं ने आक्रोश व्यक्त करते हुये प्रशासन पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है और कहा है कि बीते कुछ वर्षों में जिस तरह से हिन्दूवादी कमलेश तिवारी और नुपूर शर्मा के समर्थन करने वाले उदयपुर मामले में धमकियों को हल्के में लेने का परिणाम उनके सर तन से अलग करने की घटनाओं के रूप में सामने आ चुके है। ऐसी परिस्थितियों को देखते हुये हिन्दू महासभा के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी को तत्काल प्रभाव से सुरक्षा उपलब्ध करवा कर धमकी भरे पत्र की जांच कर तत्काल प्रभाव से काररवाई की जाये। पार्टी के मुताबिक आज भी निरन्तर हिन्दू महासभा नेताओं और पदाधिकारियों सहित अन्य हिन्दूवादी

नेताओं को धमकियां मिल रही है। पार्टी के प्रदेश कार्यालय से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक धमकी संबंधी सूचना देने के बाद कमिश्नर लखनऊ को अवगत कराने के बाद जब कोई काररवाई नहीं हुयी तो प्रदेश अध्यक्ष ने इस मामले की जानकारी प्रधानमंत्री, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और प्रषासनिक अधिकारियों को इस मामले में षिकायत की है। उर्दू में पत्र मिलने के बाद महासभा प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी का कहना है कि शासन प्रशासन हिंदूवादी नेताओं के सरक्षा का पुख्ता इंतजाम नहीं करता है तो हिंदू महासभा एक बड़े आंदोलन के लिए तैयार होगा इसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। उनका आरोप है कि शासन प्रशासन हमेशा हिंदू नेताओं की सुरक्षा को गंभीरता से नहीं लिया जाता है इसका अंजाम अखिल भारत हिंदू महासभा हिंदूवादी नेता कमलेश तिवारी की हत्या से भुगत चुका है। उन्होंने बताया कि खुर्शदबाग विश्णुनगर स्थित हिन्दू महासभा के प्रदेश कार्यालय पर एक उर्दू में लिखा पत्र आया है, जिसमें हमारी फोटो पर क्रॉस का निशान लगा है। इस मामले की शिकायत पुलिस कमिश्नर से की गई है। उन्होंने डीसीपी को जांच सौंपी है। हिंदूवादी नेता कट्टरपंथियों के निशाने पर हैं। हमारे साथ कभी भी अनहोनी हो सकती है, कोई सरकारी सुरक्षा भी नहीं है।

जम्मू में 2 मकानों से मृत मिले एक ही परिवार के 6 सदस्य

जम्मू। जम्मू में एक परिवार के छह सदस्य बुधवार तड़के दो अलग–अलग मकानों में मश्त पाए गए। पुलिस ने बताया कि नूर उल हबीब, सजाद अहमद माग्रे, सकीना बेगम और उसकी बेटी नसीमा अख्तर के शव सिधरा में तावी विहार इलाके में हबीब के घर में मिले, जबकि रुबीना बानो और उसके भाई जफर सलीम के शव एक निकटवर्ती मकान से मिले।

जम्मू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) चंदन कोहली ने बताया कि घटना की जांच के लिए पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) संजय शर्मा की अगुवाई में चार सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि श्रीनगर के बरजुल्ला इलाके में रहने वाली हबीब की बहन शहजादा ने पुलिस को फोन पर बताया कि उसे आशंका है कि उसके भाई ने आत्महत्या कर ली है, क्योंकि वह उसके फोन कॉल का जवाब नहीं दे रहा है। उन्होंने बताया कि हबीब के घर पहुंचने के बाद पुलिस ने पाया कि घर का दरवाजा अंदर से बंद था और दुर्गंध आ रही थी। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि पड़ोस के एक घर में परिवार का रिश्तेदार गुलाम हुसैन रहता है।

भाजपा ने छेड़ा 'देश की बदली सोच' अभियान, निशाने पर कांग्रेस

नई दिल्ली। भाजपा ने 'देश की बदली सोच' नाम से सोशल मीडिया पर एक अभियान की शुरुआत की है, जिसमें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से कांग्रेस शासनकाल के दौरान पूर्ववर्ती प्रधानमंत्रियों द्वारा दिए गए भाषणों की तुलना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषणों से की गई है और उन्हें बेहतर दर्शाने की कोशिश की गई है। भाजपा ने इस अभियान के तहत मंगलवार रात अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर प्रधानमंत्री मोदी और पूर्व प्रधानमंत्रियों मनमोहन सिंह, राजीव गांधी, इंदिरा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के भाषणों के अंश और उनसे जुड़े कई ग्राफिक्स साझा किए। ऐसे ही एक ट्वीट में भाजपा ने आरोप लगाया कि 1962 में चीन के खिलाफ हुए युद्ध के बाद नेहरू ने जब 1963 में स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम संदेश दिया था, तब उन्होंने इस जंग में शहीद हुए भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि नहीं दी थी, जबकि मोदी ने लद्दाख में चीनी सेना के साथ संघर्ष में शहादत देने वाले सैनिकों को 2020 के स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में याद किया था। भाजपा ने मनमोहन सिंह द्वारा 2008 और 2009 में दिए गए भाषणों के कुछ हिस्सों को साझा करते हुए आरोप लगाया कि

तत्कालीन प्रधानमंत्री ने 'चुनिंदा आदर्शों' को याद किया और एक परिवार का तुष्टिकरण किया। भाजपा ने इसकी तुलना मोदी के 2014 के भाषण से की, जिसमें उन्होंने कहा था कि देश आज जिस मुकाम पर पहुंचा है, उसमें सभी सरकारों के प्रमुखों का योगदान रहा है। ऐसे ही एक ट्वीट में भाजपा ने इंदिरा गांधी के हवाले से दावा किया कि उन्होंने 1975 आपातकाल थोपे जाने को न्यायोचित ठहराते हुए इसे 'कड़वी दवा' करार दिया था, जबकि मोदी ने 2017 में राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में लोकतंत्र को भारत की 'सबसे बड़ी ताकत' बताया था।

केजरीवाल ने शुरू किया 'मेक इंडिया नंबर 1 अभियान

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारत को दुनिया का नंबर एक देश बनाने के लिए बुध वार को एक राष्ट्रीय मिशन की शुरुआत की और सभी नागरिकों एवं राजनीतिक दलों से इसमें शामिल होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए नागरिकों को मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा, युवाओं को रोजगार, महिलाओं को समान अधिकार तथा सम्मान और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य प्रदान करना आवश्यक है। केजरीवाल ने कहा कि वह मिशन 'मेक इंडिया नंबर 1 के तहत देश भर की यात्रा करेंगे ताकि लोगों को इस पहल में शामिल होने और इसके उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस मिशन की प्रकृति अराजनीतिक है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'यह किसी राजनीतिक दल

का मिशन नहीं है, यह एक राष्ट्रीय मिशन है। मैं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अन्य सभी दलों से आह्वान करता हूं कि वे आगे आएं और भारत को दुनिया का नंबर एक देश बनाने के लिए इस पहल में शामिल हों। उन्होंने कहा कि सिंगापुर जैसे कई देशों को भारत के बाद आजादी मिली, लेकिन वे हमसे आगे हैं। केजरीवाल ने सवाल किया कि भारतीयों के 'दुनिया में सबसे बुद्धिमान और मेहनती होने के बावजूद भारत क्यों पिछड़ रहा है।

देश में कोविड-19 के 9,062 नए मामले, 36 मरीजों की मौत

नई दिल्ली। भारत में बुधवार को कोविड–19 के 9,062 नए मामले सामने आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 4,42,86,256 पर पहुंच गयी, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 1,05,058 हो गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 36 और मरीजों के जान गंवाने से मश्तकों की संख्या 5,27,134 पर पहुंच गयी है। इसमें केरल द्वारा पुनर्मिलान किए गए मौत के छह मामले भी शामिल हैं। उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0.24 प्रतिशत है।

कोविड–19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.57 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, कोविड–19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में बीते 24 घंटे में 6,194 की गिरावट दर्ज की गयी है। संक्रमण की दैनिक दर 2.49 प्रतिशत और सप्ताहिक संक्रमण दर 4.38 प्रतिशत दर्ज की गयी है। इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,36,54,064 हो गयी है जबकि मश्त्यु दर 1.19 प्रतिशत है।

भाजपा संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति से हटाए गए गडकरी-शिवराज

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को अपनी सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई संसदीय बोर्ड और चुनावी टिकटों के बंटवारे के लिहाज से सबसे अहम केंद्रीय चुनाव समिति का पुनर्गठन करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी तथा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को इनसे हटा दिया। संसदीय बोर्ड में कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा और केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल सहित छह नए चेहरों को शामिल किया गया है। पार्टी की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, राज्यसभा सदस्य व पार्टी के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. लक्ष्मण, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा, पूर्व सांसद सुधा यादव और वरिष्ठ दलित नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यनारायण जटिया को संसदीय बोर्ड का सदस्य बनाया गया है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के अलावा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और संगठन महामंत्री बीएल संतोष पहले से ही संसदीय बोर्ड के सदस्य हैं। संसदीय बोर्ड के पुनर्गठन में भाजपा ने सामाजिक और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व का भी खासा ख्याल रखा है। भाजपा संसदीय बोर्ड में जगह बनाने वाले लालपुरा पहले सिख नेता हैं। वह इसमें अल्पसंख्यक समुदाय का प्रतिनिधित्व करेंगे। सोनोवाल पूर्वोत्तर भारत से ताल्लुक रखने वाले पहले नेता हैं, जिन्हें भाजपा संसदीय बोर्ड में जगह दी गई है। महिलाओं के प्रतिनिधि के तौर पर सुधा यादव को इसमें शामिल किया गया है, जबकि के. लक्ष्मण ओबीसी समुदाय से आते हैं और वह तेलंगाना से ताल्लुक रखते हैं। भाजपा ने केंद्रीय चुनाव समिति से जिन नेताओं को हटाया है उनमें गडकरी और चौहान के अलावा केंद्रीय मंत्री जुएल ओरांव और पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन शामिल हैं।

कश्मीरी पंडित के हत्यारे का मकान कुर्क करने की प्रक्रिया शुरू

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर प्रशासन ने शोपियां में एक कश्मीरी पंडित की हत्या करने वाले आतंकवादी आदिल वानी के मकान को कुर्क करने की प्रक्रिया बुधवार को शुरू कर दी, जबकि उसे शरण देने के आरोप में उसके पिता तथा तीन भाइयों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आदिल वानी ने मंगलवार को शोपियां गांव के एक बाग में सुनील कुमार भट की हत्या कर दी थी और बाद में कुटपोरा में अपने घर में छिप गया था। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी की और तलाशी अभियान चलाया, लेकिन वानी पुलिस दल पर ग्रेनेड फेंकने के बाद अंधेरे में फरार हो गया। वह प्रतिबंधित आतंकवादी समूह अल–बद्र का आतंकवादी है। पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान वानी के घर से हथियार तथा गोला बारूद बरामद किया, जिसके बाद प्राधिकारियों ने मकान को कुर्क करने की प्रक्रिया शुरू की और उसके पिता तथा तीन भाइयों को गिरफ्तार कर लिया। चश्मदीदों और सुनील कुमार के रिश्तेदार ने हमलावर के तौर पर वानी की पहचान की थी। वानी ने मंगलवार को सुनील कुमार और उसके भाई पर सेब के बाग में काम करने के दौरान अंधाधुंध गोलियां चलायी थीं।

दिल्ली अग्निशमन सेवा के ट्रक से कुचलकर एक महिला की मौत

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के राज पार्क इलाके में बुध वार सुबह दिल्ली अग्निशमन सेवा के ट्रक की चपेट में आने से 40 वर्षीय महिला की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि रामवती नामक यह महिला मंगोलपुरी में रहती थी और मुंडका में एक कारखाने में काम करती थी। पुलिस के अनुसार रामवती जब काम के लिए मुंडका जा रही थी, तब यह हादसा हुआ। पुलिस उपायुक्त (बाहरी दिल्ली) समीर शर्मा ने बताया कि राज पार्क थाने में सुबह साढ़े नौ बजे सूचना आयी कि रामवती कथित रूप से ट्रक के नीचे आ गयी है। उन्होंने कहा कि संबंधित ट्रक मंगोलपुरी फेज टू के दमकल केंद्र का है और उसके चालक की पहचान प्रदीप के रूप में हुई है। उनके अनुसार यह वाहन आग संबंधी एक घटना की सूचना पर प्रेम नगर इलाके में गया था और हादसे के वक्त वहां से लौट रहा था। पुलिस के मुताबिक मामले की सूचना पर राज पार्क थाने के प्रभारी, अन्य पुलिसकर्मियों के साथ मौके पहुंचे। मामले में जांच की जा रही है।

हिमाचल प्रदेश के दो कांग्रेस विधायकों ने थामा भाजपा का दामन

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश से कांग्रेस के विधायक पवन कुमार काजल और लखविंदर सिंह राणा बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। काजल कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं, वहीं राणा नालागढ़ से विधायक हैं। काजल कांग्रेस की हिमाचल प्रदेश इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष थे। कांग्रेस ने उन्हें मंगलवार देर रात कार्यकारी अध्यक्ष पद से हटा दिया था। राणा प्रदेश इकाई में उपाध्यक्ष थे। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह और राज्यसभा सदस्य व पार्टी के मीडिया विभाग के प्रभारी अनिल बलूनी की मौजूदगी में दोनों नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर ठाकुर ने दोनों नेताओं का भाजपा में स्वागत करते हुए कहा कि इससे हिमाचल प्रदेश में भाजपा की स्थिति मजबूत होगी। ठाकुर ने बाद में काजल और राणा के साथ भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा से मुलाकात की। भाजपा से अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत करने वाले काजल ने 2012 के विधानसभा चुनाव में टिकट ना मिलने पर निर्दलीय चुनाव लड़ा और वह जीत गए। चुनाव जीतने के बाद वह कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर जीत दर्ज की। बाद में कांग्रेस ने उन्हें हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया। उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच कांग्रेस ने मंगलवार रात उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष पद से हटा दिया और नये कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में चंद्र कुमार की नियुक्ति की मंजूरी दी। हिमाचल प्रदेश में अगले कुछ महीने में विधानसभा चुनाव होने हैं। राज्य में अभी तक मुख्य मुकाबला पारंपरिक रूप से कांग्रेस और भाजपा के बीच होता रहा है।

शपथ लेने के 24 घंटे के भीतर बिहार के कानून मंत्री कार्तिक कुमार के खिलाफ वारंट

पटना । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतश्त्व में महागठबंधन की सरकार बनते ही विवादों में घिरती जा रही है। बिहार के नये कानून मंत्री कार्तिकेय सिंह के खिलाफ अपहरण के एक मामले में अदालत ने वारंट जारी कर दिया है। दरअसल, अपहरण के जिस मामले में उन्हे 16 अगस्त को अदालत के सामने हाजिर होना चाहिए था, वे मंत्री पद की शपथ ले रहे थे। इस मामले को लेकर विपक्ष अब सरकार को कटघरे में खड़ा कर रही है। वर्ष 2014 में अपहरण के एक मामले में बिहार के कानून मंत्री कार्तिकेय सिंह भी आरोपी हैं। इस मामले में सिंह ने ना तो अदालत के सामने आत्मसमर्पण किया ना ही जमानत के लिए अर्जी दी। 16 अगस्त को इनको अदालत में पेश होना था, लेकिन मंत्री पद की शपथ ले रहे थे। कार्तिकेय सिंह उर्फ मास्टर जी पटना से विधान परिषद चुनाव में जदयू के उम्मीदवार को हराकर विधान पार्षद बने हैं। इधर, बिहार के पूर्व मंत्री और भाजपा नेता नितिन नवीन ने कहा कि इस सरकार में तो अभी ट्रेलर शुरू हुआ है, पूरी फिल्म बाकी है। सरकार में वही लोग हैं जो 2005 के पहले जंगल राज के पोषक थे। उन्होंने कहा कि यही तो भ्रष्टाचार मॉडल जंगलराज मॉडल है।

सम्पादकीय

अनुसंधान पर बल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' के नारे में 'जय अनुसंधान' को जोड़कर यह संदेश दिया है कि शोध एवं अनुसंधान उज्जवल भविष्य के आधार हैं। इससे यह भी इंगित होता है कि भारत सरकार इस क्षेत्र में प्राथमिकता के साथ अग्रसर होगी। अपनी 75 वर्षों की यात्रा में ज्ञान, विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में भारत ने अनगिनत उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की है, पर हम इतने भर से संतुष्ट नहीं हो सकते। जीवन के हर क्षेत्र में तकनीक का उपयोग बहुत तेजी से बढ़ रहा है। विज्ञान की प्रस्थापनाओं एवं अवधारणाओं को व्यावहारिक बनाने पर दुनियाभर में जोर दिया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, वस्तु उत्पादन, सेवाओं की उपलब्धता आदि में नवाचार से हम प्रगति के पथ पर अधिक गति से अग्रसर हो सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान से शिक्षण संस्थाओं, प्रयोगशालाओं और विशिष्ट अनुसंधान केंद्रों में उत्साह की लहर है। उन्हें आशा है कि इस संबोधन के बाद शोध एवं अनुसंधान में सरकार और निजी क्षेत्र के निवेश में समुचित वृद्धि होगी। अनुसंधान एक दीर्घ प्रक्रिया है और उसके लिए बड़े पैमाने पर संसाधनों की आवश्यकता होती है। लेकिन लगभग दो दशकों से इस मद में बजट आवंटन सकल घरेलू उत्पाद के एक प्रतिशत से भी कम रहा है। वर्तमान वित्त वर्ष 2022—23 के बजट में यह आंकड़ा केवल 0।41 प्रतिशत है। समुचित सुविधाओं और प्रोत्साहन के अभाव के कारण प्रतिभाएं या तो देश से बाहर चली जाती हैं या पेशेवर जीवन में चली जाती हैं। ऐसे में बहुत से छात्र और युवा वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में जाने से कतराते हैं। रुचि का अभाव भी एक समस्या है। अनुसंधान की राह में एक बड़ी रुकावट सरकारी मशीनरी की धीमी गति और लालफीताशाही भी है। भारत को अगर तकनीक का वैश्विक केंद्र बनाना है, तो शोध एवं अनुसंधान के लिए एक ठोस कार्य योजना बनायी जानी चाहिए। इसमें प्राथमिकता पहले से लंबित योजनाओं को दी जानी चाहिए।आवश्यक साजो—सामान को विदेशों से लाने की प्रक्रिया को सरल बनाना चाहिए तथा नवाचार की उपलब्धियों को पेटेंट देने में बरती जाने वाली सुस्ती को छोड़ा जाना चाहिए। यह समझना जरूरी है कि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने तथा 'मेक इन इंडिया' को सफल बनाने के लिए हमें तकनीकी रूप से भी समर्थ होना होगा। अनुसंधान से जनित सेवाओं और वस्तुओं के निर्यात से अर्थव्यवस्था को बहुत लाभ हो सकता है। इसके उदाहरण हम अपने अंतरिक्ष अनुसंधान, दवा उद्योग तथा कृषि उत्पादन में देख सकते हैं।भविष्य में स्टार्टअप सेक्टर का योगदान अहम होगा और इस दिशा में भारत का विकास उत्साहजनक है। तकनीकी अनुसंधान को बढ़ाकर हम इसे और गति दे सकते हैं। अनुसंधान और नवाचार में रुचि बढ़ाने के लिए हमें इसे एक संस्कृति बनाना होगा तथा बच्चों को प्राथमिक विद्यालयों से ही विज्ञान एवं तकनीक की ओर उन्मुख करने पर ध्यान देना चाहिए।

ध्रुवीकरण की राजनीति और सांझा विरासत पर हमले

भारत की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत की समशद्धि उसकी विविधता में निहित है. अनेक कवियों और लेखकों ने बताया है कि किस प्रकार दुनिया के अलग—अलग हिस्सों से विभिन्न संस्कृतियों और नस्लों के लोगों के कारवां इस भूमि पर पहुंचे और उन्होंने मिलजुलकर भारत रूपी बहुरंगी फूलों के गुलदस्ते का निर्माण किया। लोगों के एक साथ जुड़ने की इस प्रक्रिया का चरम बिंदु था स्वाधीनता संग्राम जब विविध धर्मों, जातियों और अलग—अलग भाषाएं बोलने वालों ने कंधे से कंधा मिलाकर भारत को विदेशी शासन से मुक्ति दिलाने के लिए संघर्ष किया। जिस दौरान देश में परस्पर प्रेम और सद्भाव बढ़ रहा था उसी समय कुछ ऐसी शक्तियां भी उभरीं जिनकी सोच संकीर्ण और साम्प्रदायिक थीं और जिन्होंने इस प्रक्रिया को बाधित करने का प्रयास किया। इस प्रयास का परिणाम था देश का बंटवारा। स्वतंत्रता के तुरंत बाद के सालों और दशकों में सामंजस्य और सद्भाव को बढ़ावा देने वाली शक्तियां प्रभावी थीं जबकि विघटनकारी सोच रखने वाले कमजोर और हाशिए पर थे। पिछले चार दशकों में संकीर्ण साम्प्रदायिक ताकतों ने बहुत तेजी से अपना सिर उठाया है। वे भारत की विविधता को, भारत के हम सब का देश होने को, स्वीकार ही नहीं करना चाहते। इस प्रवशत्ति के कुछ उदाहरण पिछले दिनों सामने आए हैं। देवबंद के एक छोटे से मामूली मदरसे के मौलाना ने मुस्लिम गायिका फरमानी नाज के खिलाफ फतवा जारी किया। फरमानी नाज का भजन शहर हर शंभू जबरदस्त हिट हुआ है। ये मौलाना साहब टीवी चौनलों

की पहली पसंद हैं। अपने प्राईम टाईम में ये चौनल मुर्गों की लड़ाई करवाते हैं, जिन्हें वे बहस कहते हैं। इनके लिए उन्हें दोनों धर्मों के अतिवादी लोगों की जरूरत होती है ताकि वे एक—दूसरे से जमकर लड़ें और चौनलों की टीआरपी बढ़े। इन मौलाना साहब का दारूल उलूम देवबंद, जो कि देश का प्रमुख मदरसा है से कोई लेना—देना नहीं है। दारूल उलूम फतवा तभी जारी करता है जब कोई उससे किसी मुद्दे पर उसकी राय देने को कहता है। फतवा दरअसल आदेश नहीं बल्कि एक तरह की राय ही होती है। असद काजमी नाम के ये रूढ़िवादी मौलाना शायद हिन्दू भजन गायकी की लंबी परंपरा से वाकिफ नहीं हैं जो मोहम्मद रफी से लेकर फराज खान तक जाती है। इनमें से कुछ भजनों के संगीत निदेशक एआर रहमान और नौशाद जैसी असाधारण प्रतिभाएं रही हैं। मुसलमानों द्वारा गाए भजनों की सूची किसी रजिस्टर के कई पन्ने भर देगी परंतु मैं सिर्फ दो उदाहरण देना चाहूंगा। मेरा सबसे पसंदीदा भजन है मन तड़पत हरि दर्शन को आज। इसके बोल शकील बदायूंनी के थे, संगीत नौशाद का और इसे गाया था मोहम्मद रफी ने। बड़े गुलाम अली खां साहब द्वारा गाए भजन हरि ओम् तत्सत को भला कौन भूल सकता है? और ना ही यह एकतरफा है। कई हिन्दू गायकों ने कव्वाली गायन को नई ऊंचाईयां दी हैं। इनमें शामिल हैं प्रभा भारती और ध्रुव सांगरी। कुछ साल पहले इसी तरह के मौलानाओं ने बंगाली फिल्म कलाकार और सांसद नुसरत जहां को दुर्गा पूजा में भाग लेने के लिए जमकर खरी—खोटी सुनाई थी जबकि दुर्गा पूजा बंगाल की संस्कृति का अंग है। सीमा के उस पार पाकिस्तान में एक पुलिस वाले को एक मुस्लिम कालेज शिक्षक के बिंदी लगाने पर ऐतराज था। उसका कहना था कि बिंदी हिन्दू धर्म से जुड़ी हुई है। यह अच्छा हुआ कि वहां की सरकार ने उस पुलिस वाले को मुअत्तिल कर दिया। सुनियोजित ढंग से यह अफवाहें उड़ाई जाती हैं कि मस्जिदों में हथियार जमा किए जाते हैं जिनका इस्तेमाल साम्प्रदायिक दंगों में होता है। यह भी कहा जाता है कि मस्जिदों में हिन्दुओं का प्रवेश वर्जित है। यह बिल्कुल सही नहीं है। उल्टे कई हिन्दू मंदिरों में अन्य धर्मों के लोगों के प्रवेश पर पाबंदी है। जहां तक मस्जिदों का सवाल है, उनमें कोई भी जा सकता है। कुछ स्कूलों ने जब अपने विद्यार्थियों को विभिन्न धर्मों के आराधना स्थलों की यात्रा कराने का निर्णय लिया तब बजरंग दल ने इसका विरोध किया। बड़ौदा के देहली पब्लिक स्कूल ने बच्चों को हमारे देश की धार्मिक विविधिता से रूबरू करवाने के लिए उन्हें एक मस्जिद में ले जाने की घोषणा की। बजरंग दल ने इसका विरोध किया और स्कूल को चेतावनी दी कि अगर बच्चों को मस्जिद ले जाया गया तो उसके गंभीर परिणाम होंगे। नतीजे में यह कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। इसके एक सप्ताह पहले विद्यार्थियों को एक मंदिर में ले जाया गया था। इसी तरह की घटनाएं दिल्ली और कर्नाटक में भी हुईं। हमारी सांझा संस्कृति पर ये हमले और तेज, और कटु होते जा रहे हैं। ध्रूवीकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसका एक उदाहरण हाल में सामने आया जब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने बढ़ती महंगाई, आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी लगाए जाने और आम नागरिकों को पेश आ रही अन्य दिक्कतों के संदर्भ में संसद से राष्ट्रपति भवन तक मार्च किया। प्रदर्शनकारी काले रंग के कपड़े पहने हुए थे। अपने चरित्र के अनुरूप भाजपा ने इस प्रदर्शन का इस्तेमाल भी साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए किया। पार्टी के शीर्ष नेता और केन्द्रीय गशहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस, राम मंदिर का विरोध कर रही है! इसका कारण उन्होंने यह बताया कि कांग्रेस ने काले कपड़ों में प्रदर्शन करने के लिए वह दिन (5 अगस्त) चुना जिस दिन दो साल पहले प्रधानमंत्री ने राम मंदिर के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया था। शाह का कहना था कि यह प्रदर्शन कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति का हिस्सा है। इससे एक कदम आगे बढ़कर उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह मांग की कि कांग्रेस को राम भक्तों का अपमान करने के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस ने शाह—योगी पर जवाबी हमला बोलते हुए कहा कि वे दरअसल एक प्रजातांत्रिक विरोध प्रदर्शन, जो महंगाई जैसे ज्वलंत मुद्दे को लेकर किया गया था, से लोगों का ध्यान हटाने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं और समाज को साम्प्रदायिक आधार पर ध्रुवीकृत करना चाहते हैं। जनता की बढ़ती तकलीफों की ओर देश और सरकार का ध्यान आकर्षित करना आवश्यक है। इस विरोध प्रदर्शन को राम मंदिर और तुष्टिकरण से जोड़कर भाजपा ने वही किया जो वह बरसों से करती आई है— अर्थात हर चीज को धर्म से जोड़ो, हर मुद्दे को भावनात्मक बना दो और अलग—अलग धर्मों के लोगों में ज्यादा से ज्यादा गलतफहमियां पैदा करो। क्या अन्य पार्टियां और सामाजिक समूह हर मुद्दे को साम्प्रदायिक रंग देने के भाजपा के प्रयास का मुकाबला कर सकेंगे? क्या प्रजातांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति और समूह के लोगों का ध्यान मूलभूत मुद्दों से भटकाने की कुटिल कवायद से निपटने का रास्ता ढूंढ पाएंगे? भाजपा अपने समर्थक संगठनों के विशाल नेटवर्क और सरकार के आगे नतमस्तक मीडिया के जरिए उस एजेंडे को प्रोत्साहन दे रही है जिसमें लोगों की समस्याओं के लिए कोई जगह नहीं है। लक्ष्य केवल यह है कि आमजनों को धार्मिक और भावनात्मक मुद्दों में उलझाए रखा जाए। भारत की सांझा संस्कृति पर चौतरफा हमले हो रहे हैं।**—राम पुनियानी**

आज का राशिफल

मेष :— सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। नये लक्ष्य एवं नये कायरें में ब्यस्तता बढ़ेगी। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रम का पूरा लाभ प्राप्त होगा। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता बरते।

बृषभ :— सामाजिक संबंधों में ब्यस्तता बढ़ेगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। कुछ नये संबंधों के प्रति मन उत्साहित होगा। रोजगार में लाभकारी स्थिति मन को खुश रखेगी।

मिथुन :— कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। सभी इच्छाओ को सकार करने से पूर्व गहन सोच—विचार करें। आकस्मिक यात्रा की योजना बन सकती है। घर में खुशहाली रहेगी।

कर्क :— महत्वपूर्ण कायरें की समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिंतित होगा। प्रतिभाओ पर भरोसा रख महत्वपूर्ण लक्ष्यों को फलीभूत करने हेतु केंद्रित हों। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अवसर प्रदान करेगी।

सिंह :— अपने पद एवं मर्यादा ख्याल रखते हुए उच्छश्ंखल मन को नियंत्रित करें। आकस्मिक कोई सुखद समाचार से मन प्रसन्न होगा। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

कन्या :— कोई नयी इच्छा मन पर प्रभावी होगी। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। कार्यक्षेत्र में ब्यस्तता बढ़ेगी। अपने स्वास्य के प्रति सचेत रहें। जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

तुला :— निराशावादी विचार योजनाओं की सार्थकता में बाधक हैं। एक साथ कई चिंताओं से मन ग्रसित होगा। अभिभावको एवं श्रेष्ठजनो के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

वश्चिकः— नई प्रतिभाएं उजागर होंगी। प्रिय लोगों का सानिध्य मिलेगा। शिक्षा—प्रतियोगिता की दिशा में मन उसके परिणाम हेतु चिंतित होगा। रोजगार में लाभकारी स्थिति खुश रखेगी।

धनु :— वाक्यपटुता एवं व्यवहार कुशलता से संबंधों में प्रभावी होंगे। भौतिक आकांक्षाएं सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु मन केंद्रित होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

मकर :— कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतरू इसमें सुधार लायें। घर में किसी मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

कुंभ :— नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कार्यक्षेत्र में अनवरत् व्यस्तता रहेगी। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। घर—परिवार में वातावरण उत्साहित होगा।

मीन :— नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। काफी दिनों से अवरोधित कोई कार्य हल होने की संभावना है। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयास करें।

रफ्तार का शिकार होता भारत

देश में सड़कों का जाल बिछाने का काम तेजी से चल रहा है, सड़कों पर होने वाले हादसे के आंकड़ों ने चिंताएं भी बढ़ा दीं हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में सड़क दुर्घटना की वजह से 1,31,714 लोगों की मौत हो गयी। इनमें से 69।3 प्रतिशत यानी 91,239 मौतें तेज रफ्तार, 30।1 प्रतिशत यानी 39,798 मौतें हेलमेट न पहनने और 11।5 प्रतिशत यानी 26,896 मौतें कार चलाते समय सीट बेल्ट न लगाने से हुईं। यह आंकड़ा तब और भयावह हो जाता है, जब यह तथ्य सामने आता है कि मशतकों का 62 प्रतिशत हिस्सा 18—35 वर्ष आयु वर्ग का है। विश्व बैंक की रिपोर्ट की मानें, तो भारत में दुनिया के एक फीसदी वाहन हैं, पर वाहन दुर्घटनाओं के चलते विश्व में होने वाली 11 प्रतिशत मौतें भारत में होती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में सालाना करीब साढ़े चार लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें डेढ़ लाख लोगों की मौत होती है। देश में हर घंटे 53 सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं और हर चार मिनट में एक मौत होती है। भारत में पिछले 10 सालों में सड़क हादसों में करीब 13 लाख लोगों की मौत हुई है और 50 लाख से अधिक लोग घायल हुए हैं। यह दुनिया में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका माना जा सकता है। ग्लोबल स्टेट्स रिपोर्ट ऑन रोड सेफ्टी ने सड़क सुरक्षा से संबंधित पांच कारकों की पहचान की है, जिनमें वाहन तेज चलाना, शराब पीकर गाड़ी चलाना, हेलमेट का प्रयोग नहीं करना, सीट बेल्ट का न बांधना और सुरक्षा उपायों के बिना बच्चों के साथ यात्रा करना आदि शामिल हैं। सड़क सुरक्षा की समस्याओं से लड़ने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बहुपक्षीय रवैया निर्धारित किया है, जिसमें '4ई' पर मुख्य जोर है— एजुकेशन (शिक्षा), एनफोर्समेंट (प्रवर्तन), इंजीनियरिंग और इमरजेंसी। ये नियमों के बारे में जागरूकता बढ़ाने, बेहतर नियमन करने, और ट्रैफिक नियमों का

पालन सुनिश्चित करने, सड़क बुनियादी ढांचे में सुधार और सड़क दुर्घटना के पीड़ित को तुरंत मदद सुनिश्चित करने से संबंधित हैं। सड़क दुर्घटनाओं के लिए सरकार और खराब सड़कों को दोष देना तो आसान है, मगर लोग अपनी जिम्मेदारी से साफ बच निकलते हैं। मालूम हो, सड़क हादसे दुनियाभर, विशेष रूप से भारत, में मश्त्यु, विकलांगता और अस्पताल में भर्ती होने के प्रमुख कारणों में है। भारत के श्रम बाजार में महिलाओं की भागीदारी बेहद कम (महज 27 प्रतिशत) है। इसका अर्थ यह है कि वे पुरुषों की तुलना में कम बाहर निकलती हैं, अपेक्षाकृत कम दूरी की यात्राएं करती हैं और सड़क सुरक्षा से जुड़े खतरों का जोखिम भी कम उठाती हैं। लेकिन हादसे का प्रभाव महिलाओं और पुरुषों पर अलग—अलग तरह से पड़ता है। अध्ययन बताते हैं कि समान गंभीरता वाले सड़क हादसों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं के घायल होने और मारे जाने की संभावना कहीं ज्यादा होती है। चोटिल होने पर उनके उपचार और दुर्घटना संबंधी समुचित देखभाल मिलने की संभावना कम होती है क्योंकि उनके पास स्वास्थ्य बीमा की सुविधा नहीं होती। महिलाओं के पास आर्थिक मजबूती के अन्य साधन भी कम होते हैं। सड़क हादसों में सिर्फ मौत ही नहीं होती है, बल्कि बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान भी होता है। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सड़क दुर्घटनाओं के चलते 5।96 लाख करोड़ रुपये यानी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 3।14 प्रतिशत के बराबर नुकसान होता है। आर्थिक विशेषज्ञों की मानें, तो अगर देश की सड़कें सुरक्षित हो जाएं और एक भी दुर्घटना न हो, तो जीडीपी दहाई के अंक को छू लेगी। विश्व बैंक के नेतृत्व में हुए एक हालिया अध्ययन में बताया गया है कि यदि आगामी 24 सालों में सड़क दुर्घटनाओं में मरने और घायल होने वालों की संख्या में 50 फीसदी की कमी आती है, तो इससे भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 14 प्रतिशत का इजाफा हो सकता है। हमें समझना होगा कि सड़क हादसे केवल लोगों को मारते या विकलांग नहीं बनाते, बल्कि वे देश की अर्थव्यवस्था को विकलांग बनाते हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने भारत में हर साल सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या को 2024 तक आधा करने का लक्ष्य रखा है।जब तक प्रौद्योगिकी के उपयोग, जागरूकता को बढ़ावा देने, कानून के सख्त कार्यान्वयन और आपातकालीन सुरक्षा उपायों जैसे कदमों को मजबूत नहीं किया जाता है, तब तक इस संबंध में कोई सकारात्मक परिणाम हासिल नहीं होंगे। सुरक्षित यात्रा तभी संभव होगी, जब सरकारों, नागरिकों और नागरिक समाज के समन्वित प्रयासों से सड़क सुरक्षा एक सामाजिक जिम्मेदारी में बदल जाए।**—रवि शंकर**

जलवायु संकट की चुनौती

दक्षिणी एशिया में तेज गर्मी के बाद अब यूरोप बहुत अधिक तापमान से जूझ रहा है। ब्रिटेन में तो पारा ऐतिहासिक रूप से 40 डिग्री सेल्सियस से आगे जा चुका है। जलवायु वैज्ञानिकों का कहना है कि हाल के वर्षों में यह चिंताजनक रुझान बढ़ता गया है और जलवायु परिवर्तन के कारण ऐसा होना अपेक्षित भी है। भारत में गर्मी के मौसम में असहनीय लू और बीते कुछ समय में देश के पूर्वी हिस्से में आयी भारी बाढ़ बिगड़ती जलवायु स्थिति को इंगित करती हैं, जिससे मौसम के मिजाज में लगातार गंभीर बदलाव हो रहे हैं। ये जलवायु समस्याएं शासन के लिए चुनौती बनती जा रही हैं। ऐसे में जो आधिकारिक प्रतिक्रियाएं होती है, वे या तो अधिक समस्याएं खड़ी करती हैं या ठीक से चिंताओं पर विचार नहीं करतीं। वन्यजीव अभयारण्यों के पास आर्थिक क्षेत्र बनाने से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय इसका एक हालिया उदाहरण है। अदालत ने अपने आदेश में अभयारण्यों की सीमा से एक किलोमीटर की परिधि में पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्र बनाने को कहा है। इन क्षेत्रों में मानवीय सक्रियता या तो पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी या फरवरी, 2011 में पर्यावरण मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देश के अनुसार ऐसी अनुमति केवल प्रमुख वन संरक्षक दे सकते हैं। मंत्रालय के दिशानिर्देश में इस तरह की अनुमति के आधारों का विस्तार से वर्णन है, लेकिन चिंता यह है कि 'व्यापक जनहित' को आधार बना कर एक किलोमीटर की न्यूनतम सीमा में बदलाव भी किया जा सकता है। इस निर्णय के बाद से 'व्यापक जनहित' को आधार बनाने के कई मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से

एक केरल में खड़ा हुआ विवाद है, जिसका आधार यह है कि अदालती आदेश से कई किसानों की आजीविका पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। केरल के किसानों के एक संगठन के प्रमुख ने इसे लाखों लोगों के जीवन—मरण का प्रश्न बताया है। वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से प्रभावित लोगों की चिंताओं पर विचार करने का आग्रह किया है। दूसरा उदाहरण है पश्चिमी घाट को पारिस्थितिकी के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र घोषित करने के नियमों का प्रस्ताव। पश्चिमी घाट को दुनिया के सर्वाधिक जैव विविधता वाले क्षेत्रों में गिना जाता है। यहां पांच हजार प्रकार के पौधों और वैश्विक स्तर पर विलुप्ति की कगार पर खड़े 325 जीवों का वास है। देश व दुनिया के लिए इनका बहुत महत्व है, लेकिन कर्नाटक सरकार ने इस घोषणा का विरोध करने का संकल्प उन्हीं आधारों पर किया है, जिनका उल्लेख केरल के नेता कर रहे हैं कि इससे लोगों की आजीविका बाधित होगी। ऐसे में क्या संरक्षण की आवश्यकता को चिंताओं से अधिक महत्व दिया जाना चाहिए? अस्पष्ट अर्थ वाली धारणा 'व्यापक जनहित' की तरह किसी कामकाज का निर्धारण उसी दृष्टि से होगा, जिससे स्थिति को देखा जायेगा। राजनीतिक संदर्भ में, और इसके कारण आर्थिक दृष्टि से देखते हुए, जनहित में लिया गया कोई भी फैसला उन निर्धारित संवेदनशील क्षेत्रों में बसने वाले लोगों के जीवन को पूरी तरह बदल सकता है। उदाहरण के लिए, मुंबई के संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान की सीमा पर झुग्गी कॉलोनियां और उसके निकट इमारतें बनी हुई हैं। वे वर्षों से वहां हैं और उन्हें दूसरी जगह नहीं बसाया जा सकता है। जिन मामलों में आबादी कम है और बिखरी हुई है, वहां रह रहे लोग अब वन विभाग और सरकारी अधिकारियों की दया पर हैं। दूसरी ओर वन्य अभयारण्यों तथा राष्ट्रीय उद्यानों के संरक्षण की भी आवश्यकता है। जब लोग लगातार सघन हो रहे कंक्रीट के जंगलों में बसे जा रहे हैं, तब हरे—भरे ये क्षेत्र उनके जीवन की गुणवत्ता में अहम भूमिका निभाते हैं। यह फिर रेखांकित किया जाना चाहिए कि इन निर्धारित क्षेत्रों में जैव विविधता का संरक्षण, पेड़ों का होना, वन्य जीव और इनके कारण कॉर्बन डाईऑक्साइड में कमी हमारे सामने खड़े जलवायु संकट से लड़ने के लिए जरूरी हैं। हमें वनों के व्यापक प्रभाव को भी नहीं भूलना चाहिए। इसी कारण आमेजन के जंगलों की बर्बादी को मानवता के विरुद्ध अपराध माना जा रहा है। जहां तक राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों की बात है, तो जैव विविधता में आमतौर पर 180 देशों की सूची में भारत 179वें पायदान पर है। येलध्कोलंबिया पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक (ईपीआइ) के जैव विविधता सूचकांक में भारत का स्थान 175वां है। इस सूचकांक के निर्धारण में पौधों व जीवों के निवास स्थान के लोप होने, वनों का क्षरण होने तथा क्षेत्रीय विविधता के बचाव में बाधा आदि के प्रभावों का संज्ञान लिया जाता है। भारत ने इस सूचकांक को यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि यह 'अनुमानों और अवैज्ञानिक तरीकोंश पर आधारित है। भले ही इस बात में कुछ सच हो, पर यह भी रेखांकित किया जाना चाहिए कि सूचकांक को खारिज तभी किया गया, जब देश को लगभग सबसे नीचे रखा गया। इससे चुनींदा असहमति का खतरनाक संदेश निकलता है। जैव विविधता सूचकांक को नकारना और विरोधों को देखते हुए सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की समीक्षा की मांग करना तस्वीर का एक पहलू हैं। दूसरी ओर सर्वोच्च न्यायालय के ही कुछ हालिया आदेश हैं, जहां पर्यावरण मंजूरी नहीं लेने को महज 'तकनीकी अनियमितता' कह दिया गया। एक मामले में एक इलेक्ट्रोस्टील कंपनी ने अपना संयंत्र बिना किसी मंजूरी के एक जगह से हटा कर पांच किलोमीटर से अधिक दूर स्थापित कर दिया, तो दूसरे मामले में एक रसायन बनाने वाली इकाई बिना किसी पर्यावरण मंजूरी के चल रही थी। इन दोनों मामलों में आर्थिक कारकों को स्पष्ट रूप से प्राथमिकता दी गयी, लेकिन आज की असहज स्थिति में पर्यावरण के संबंध में कठोर फैसला लेने की दरकार है। दुर्भाग्य से जलवायु संकट हमारे जीवन का नियमित हिस्सा बन जायेगा। ऐसी स्थितियों के लिए हमें हर तरह से तैयार रहने की योजनाएं बनानी होंगी, क्योंकि कार्बन उत्सर्जन और मानवीय गतिविधियों के मौजूदा स्तर को देखते हुए कहा जा सकता है कि जलवायु संबंधी विस्थापन में वृद्धि ही होगी।

एक निराशाजनक भाषण

जिस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर देश भर के लोगों ने सभी भेदभावों, वैचारिक भिन्नताओं और दलगत राजनीति से ऊपर उठकर अमश्त काल के नाम से स्वतंत्रता का 75वां साल जोशो—खरोश से मनाया, घर—घर राष्ट्रीय झंडा लहराया और सोशल मीडिया के अपने एकाऊंट्स की डीपी को तिरंगामय कर दिया, उन्हीं मोदी जी ने इस बेहद खास मौके पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को जिस तरीके से सम्बोधित किया उसने इस अवसर का सम्मान एक महान व दुर्लभ राष्ट्रीय परिघटना से घटाकर उसे किसी चुनावी रैली में तब्दील कर दिया। लगता ही नहीं था कि 15 अगस्त, 2022 का उनका भाषण देश के उन विशिष्ट पलों को व्याख्यायित व पुनर्परिभाषित कर रहा है, जो किसी देश के जीवन काल में एक और सिर्फ एक बार आता है और जो नया आगाज कर सकता है। उन्होंने एक महान अवसर इसलिये खो दिया क्योंकि उन्होंने राष्ट्राध्यक्ष के एक सम्बोधन एवं किसी नेता के बयान के फर्क को मिटा दिया। लोकसभा में दूसरी बार और सर्वाधिक सीटें लेकर सरकार बनाने वाले अत्यन्त मजबूत प्रधानमंत्री के पास मौजूद बहुमत का भरोसा एवं नैतिक शक्ति के प्रदर्शन की बजाय उनका सम्बोधन एकालाप था, वे उन्हीं अपरिभाषित शक्तियों एवं कुछ लोगों के प्रति नफरत फैलाने वाले ऐसे उवाच को दोहरा रहे थे जिससे देश पहले ही स्वीकार कर मानसिक तौर पर मुक्त हो चुका हैय और निकट भविष्य में उन ताकतों के उन्हें अपदस्थ कर सत्तानशीं होने के कोई संकेत तक नहीं हैं— कम से कम अगली बारी के लिये फिलहाल वे मोदी के लिये खतरा नहीं दिखाई देते। भाई—भतीजावाद एवं परिवारवाद की परिधि में गोल—गोल चक्कर लगाते हुए भारतीय लोकतंत्र के इन दो अविभाज्य तत्वों को प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में किसी कयामत की हद तक पेश करने के दौरान यह नहीं बतलाया कि आखिर वे कौन सी मजबूरियां थीं जिनके कारण उनके नेतश्त्व में भाजपा ने अनेक ऐसे दलों से सियासती समझौते किये हैं जो इन दुर्गुणों से प्रभावित हैं। ऐसे दलों एवं नेताओं का नामोल्लेख से इस लेख के सीमित स्पेस का दुरुपयोग करना ही होगा क्योंकि वे सर्वज्ञात हैं।

प्रधानमंत्री मोदी स्वयं हैं कि जिस नेहरू खानदान को वे कोस रहे हैं और शासकीय विज्ञापनों से उनकी तस्वीरें विलोपित कर रहे हैं, उन्हीं के प्रदत्त लोकतंत्र ने उन्हें इस पद तक पहुंचाया है। वे यह भी नहीं बतलाते कि इस वंश का अंतिम शासक करीब 33 वर्ष पहले ही सत्ता से और 31 साल पहले दुनिया से रुखसत हो चुका है। दुनिया भी जानती है कि जिस खानदान का डर दिखाकर सत्ता अपने पास रखने के वे फेर में हैं उसके वारिसों ने एक नहीं वरन दो बार देश का सबसे ताकतवर पद स्वेच्छा से छोड़ दिया जबकि उन्हें रोकने वाला कोई भी नहीं था।दरअसल प्रधानमंत्री मोदी के पास देश को आगे बढ़ाने की किसी भी ऐसी योजना का अभाव है जो अवाम के मूलभूत सरोकारों से डील करती हो।गिरती जीडीपी, बढ़ती महंगाई, चौपट होती अर्थव्यवस्था, विदेशी कर्ज, बंद होते उद्योग—धंधे, गरीबी—भुखमरी—खुशहाली—एसडीजीज के अंतरराष्ट्रीय इंडेक्सों में भारत की सतत गिरावट, महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध, मानवाधिकारों की भारत में दुर्दशा, प्रेस एवं अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर उनके पास कहने के लिये कुछ भी नहीं था और न ही उन्होंने देशवासियों को बतलाया कि मुल्क को वे कैसे इनसे छुटकारा दिलाएंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि असफल जन धन, स्टार्ट अप, मेक इन इंडिया, निजीकरण, पूंजीकरण, विदेशी निवेश, नोटबंदी, जीएसटी लाभदायी उपक्रमों की अंधाधुंध बिक्री, बढ़ते कर्ज आदि ने देश की जो माली हालत बिगाड़ दी है उसका जिम्मेदार कौन है और देश का जो नुकसान हुआ है उसकी भरपाई कौन करेगा। यह सबसे हास्यास्पद है कि आज समस्याओं के जो हल हैं, वे आज या कल में नहीं वरन बकौल मोदी 25 वर्षों के बाद असर करने वाले हैं। आज देश का सामाजिक ताना—बाना जिस प्रकार से बिखर रहा है, उस पर चिंता प्रकट करने वाली कोई बात भी मोदी जी के मुख से नहीं निकली। वे कम से कम एकता, बन्धुत्व और सौहार्द्रता को आगे बढ़ाने की बातें ही करते।

धर्म संसद ने हाल ही में वाराणसी को अखंड भारत की राजधानी बनाने का ऐलान करते हुए उसका संविधान तक बना दिया है। इस संविधान में मुस्लिमों एवं ईसाइयों को मताधिकार न देने की बात कही गई है। कपोल कल्पना के बावजूद यह एक गम्भीर बात है तथा मोदी को स्पष्ट करना चाहिये था कि वे इन श्फ्रंज एलीमेंट्सश पर क्या कार्रवाई करेंगे क्योंकि ये उसी संविधान को खारिज कर देश में मनुस्मृति सदृश्य शासन प्रणाली लागू करना चाहते हैं जिसकी रक्षा का संकल्प लेकर स्वयं मोदी ने प्रधानमंत्री का पद सम्भाला है। जिस महिला सम्मान पर उन्होंने भावुकता भरी बातें कहीं, उनका असर इसलिये होने से रहा क्योंकि उनके ही शासन काल में भारत महिला अपराधों के मामले में दुनिया भर में चर्चित हो रहा है।अगर हम पिछले सभी प्रधानमंत्रियों के इस अवसर पर दिये भाषणों को पढ़ें या सुनें तो पायेंगे कि मौके के अनुरूप इससे अधिक गरिमाहीन भाषण किसी भी पीएम ने नहीं दिया होगा।

आजादी के अमृत महोत्सव का समापन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। आजादी के अमृत महोत्सव पर 11 अगस्त से 17 अगस्त तक मुमताज पीजी कालेज में स्वतंत्रता सप्ताह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन मे राष्ट्र प्रेम की भावना तथा स्वतंत्रता के प्रतीकों, स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति आदर एवं सम्मान का भाव जाग्रत करना था। स्वतंत्रता सप्ताह कार्यक्रम के अर्न्तगत महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रमों का तिथिवार व्यौरा इस प्रकार है–दिनांक 11 अगस्त को महाविद्यालय में स्वतंत्रा सम्बन्धित स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गयी। दिनांक 12 अगस्त को तिरंगा गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे विशेष वक्ता के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 अब्दुर्रहीम ने तिरंगा से सम्बन्धित अपने विचार साझा किये। दिनांक 13 अगस्त को स्वतंत्रता संग्राम की स्मशति में एन.एस.एस. स्वयं सेवियों द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गयी। दिनांक 14 अगस्त को विभाजन की विभीषिका स्मृति दिवस पर विशेष

कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे प्रमुख वक्ता के रूप मे डा0 अब्दुर्रहीम, डा0 मदनी अन्सारी एवं डा0 सूफी शकील अहमद ने अपने विचार साझा किये इसी के साथ एन.सी.सी.कैडेट की तिरंगा रैली भी आयोजित की गयी। दिनांक 15 अगस्त को ध्वजारोहण के उपरान्त राष्ट्रीयता जन–जागरण रैली तथा स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित राष्ट्रीय गीत पाठ का आयोजन किया गया जिसमे डा0 अब्दुर्रहीम, डा0 शाजिया सिद्दीकी खान, डा0 उमा पाण्डे, डा0ए.के.राय, डा0 परवीन शुजात, डा0 जे0एच0 अल्वी ने कविता पाठ किया। दिनांक 16 अगस्त को स्वतंत्रता सेनानियों की वीरगाथाएं शीर्षक पर डा0 मोहम्मद इमरान खान द्वारा विशेष वक्तव्य प्रस्तुत किया गया इसके साथ–साथ छात्र–छात्राओं के बीच स्वतंत्रता संर्घष के वीर सपूतों, वीरांगनाओं पर आधारित भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गयी दिनांक 17 अगस्त को समाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत देश को नशा मुक्त कराने हेतु लगभग 250 छात्र–छात्राओं को प्राचार्य डा0 अब्दुर्रहीम, प्राक्टर डा0 नसीम अहमद खान की उपस्थिति में महाविद्यालय के एन.एस.एस.कार्यक्रम अधिकारी डा0 अब्दुल मोईद सिद्दीकी द्वारा शपथ दिलायी गयी। इसके साथ–साथ डा0 परवीन शुजात द्वारा प्रसिद्ध उर्दू कहानीकार इस्मत चुगताई" की कहानी "जडेद" का पाठ किया गया। अन्त में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें प्राचार्य डा0 अब्दुर्रहीम ने अमृत महोत्सव के महत्व एवं उपादेयता को स्पष्ट करते हुए छात्र–छात्राओं एवं महाविद्यालय के सभी शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक सदस्यों को बधाई एवं ध न्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया।

डॉक्टर के बंद मकान से जेवर और नगदी चोरी

लखनऊ। जानकीपुरम के वशिष्ठपुरम में चोरों ने रक्षाबंधन पर डॉक्टर के बंद मकान को निशाना बनाकर लाखों के जेवर नगदी पार कर दी। वहीं पीजीआई के हनुमंतनगर कालोनी में चोरों ने दिनदहाड़े मकान का ताला तोड़कर सामान बटोरकर भाग निकले। साठ फिटा रोड स्थित वशिष्ठपुरम में डॉ. नरेन्द्र कुमार परिवार के साथ रहते हैं। 12 अगस्त को पत्नी आशा रानी परिवार के साथ रक्षाबंधन पर सीतापुर स्थित मायके गईं थी। अगले दिन शाम को सभी लोग घर लौटे तो देखा कि मेन गेट का ताला टूटा पड़ा था। अंदर गए तो कमरे का सामान फैला था। अलमारी में रखे 40 हजार रुपये नगदी व लाखों रुपये के जेवर गायब थे। इंस्पेक्टर जानकीपुरम के मुताबिक मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वहीं, पीजीआई के जगतखेड़ा स्थित हनुमंतनगर सुजाता चौधरी के मुताबिक रक्षाबंधन के दिन दोपहर में घर पर ताला बंद कर बाजार गयी थी। शाम को घर लौटी तो मेन गेट का ताला टूटा हुआ था।

सीएमएस छात्र को 86,000 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड कैम्पस के प्रतिभाशाली छात्र प्रियंक यादव को सिंगापुर की नेशनल यूनिवर्सिटी (एन.यू.एस.) ने उच्चशिक्षा हेतु 86,000 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप से नवाजा है। प्रियंक को यह स्कॉलरशिप चार वर्षीय उच्चशिक्षा अवधि के दौरान प्रदान की जायेगी।

सी.एम.एस. का यह मेधावी छात्र इस विश्व स्तरीय यूनिवर्सिटी से रोबोटिक्स विषय में विशेषज्ञता के साथ मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करके अपने सपने को साकार कर सकेगा। प्रियंक ने इस सफलता का श्रेय सी.एम.एस. के अपने शिक्षकों व विद्यालय के शान्तिपूर्ण शैक्षिक वातावरण को दिया है। सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी ने सी.एम.एस. छात्रा की सफलता पर हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है। यह जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन–सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने दी है। श्री शर्मा ने बताया कि क्यू.एस. वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग–2022 के अनुसार एन.यू.एस. विश्व की सर्वश्रेष्ठ यूनिवर्सिटी में शामिल है, ऐसे में सिंगापुर की इस प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी में स्कॉलरशिप के साथ चयनित होना एक बड़ी उपलब्धि है। श्री शर्मा ने बताया कि सी.एम.एस. प्रदेश में एकमात्र एस.ए.टी. (सैट) एवं एडवान्स प्लेसमेन्ट (ए.पी.) टेस्ट सेन्टर है जो उत्तर प्रदेश एवं आसपास के अन्य राज्यों के छात्रों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मदद कर रहा है।

नाबालिक से दुष्कर्म का आरोपी मौलाना गिरफ्तार

लखनऊ। मोहनलालगंज में पुलिस ने झाड़–फूंक के बहाने किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में उन्नाव जिले के मूल निवासी मौलाना को गिरफ्तार किया है। किशोरी के पिता ने मंगलवार को मोहनलालगंज कोतवाली में बेटी के साथ हुए दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। घटना लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र की है। किशोरी के पिता ने 16 अगस्त की शाम को मोहनलालगंज कोतवाली में 15 वर्षीय बेटी के साथ हुए दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई थी। पिता ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह लगभग 8 दिन पहले मुंबई से वापस आए हैं। बेटी ने बताया कि उन्नाव जिले के अजगैन थाना क्षेत्र के दरियापुर निवासी फाखरे आलम उर्फ गुंगे खान ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। यह बात उसने अपनी मां को भी बताई थी। लेकिन उसने इज्जत के डर से बात दबा दी। पिता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी मौलाना को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी मौलाना फाखरे आलम मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के कनकहा स्थित किराए के मकान में नमाज पढ़ाने और झाड़ फूंक करने का काम करता है। लगभग 4 महीने पहले किशोरी मौलाना के पास झाड़ फूंक के लिए गई थी। तभी आरोपी मौलाना फाखरे आलम ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया और किसी से न बताने की धमकी दी। मोहनलालगंज कोतवाली प्रभारी कुलदीप दुबे ने बताया कि पिता की तहरीर पर आरोपी मौलाना के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपी मौलाना को कनकहा मोड़ से गिरफ्तार किया गया है।

नृत्यगतियों में हुए ग्वाल-बाल संग राधा-कृष्ण के दर्शन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। आई रे आई जन्माष्टमी आई, जनम लियो है आज कृष्ण कन्हैया और जन्माष्टमी का दिन लागे बड़ा प्याराकृ जैसे श्रीकृष्ण भक्ति से परिपूर्ण गीतों पर जब बाल कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण, राधारानी और गोपियों का रूप धारण कर भावपूर्ण अभिनययुक्त नश्त्य प्रस्तुत किया तो उपास्थित लोग भावविभोर हो झूम उठे। यह मनोरम दृश्य था सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था उड़ान के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी के प्रेक्षागश्ह में आजादी का अमश्त महोत्सव और जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का। भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित इस कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अभ्यागत पद्मश्री डॉ विद्या बिन्दु सिंह और मुख्य अतिथि रजत कॉलेज के चेयरमैन आर.जे. सिंह चौहान और लोक नश्त्यांगना सरिता सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर आयुषी पांडे (लोक गायिका), अलका ठाकुर (बांसुरी वादक), मोहित कपूर (लोक नर्तक), मंजू मलकानी (कथक नश्त्यांगना), दया चतुर्वेदी (लोक गायिका) को उड़ान कला रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। भक्ति संगीत से सजे कार्यक्रम का श्री गणेश स्वरा त्रिपाठी ने गणेश वंदना पर भाव नश्त्य से किया। इसी क्रम में हर्षवर्धन तिवारी (श्री कृष्ण), अग्रिमा पाठक (राधा), रुद्राक्ष जयसवाल, दिव्यांश तिवारी, मोहान्सी गुप्ता, सश्ष्टि कुमारी, आर्य पटेल, जया पांडे, आम्या, श्रेया सिंह पटेल, मिस्टी केसरवानी, परी पांडे, रितिका यादव, श्रेया रंजन, अहाना सागर, स्वरा त्रिपाठी, आरना जयसवाल और ऋषि श्रीवास्तव (ग्वालबाल–गोपियां) ने मेरी लगी श्याम संग प्रीत की दुनियां क्या जाने पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को भाव विभोर कर दिया।

श्रीमद्भागवत कथा शुरू, धूमधाम से निकली कलश यात्रा

लखनऊ। सीतापुर रोड के केशवनगर स्थित श्री पंचदेव नागेश्वर महादेव मन्दिर मे बुधवार से श्रीमद्भागवत कथा शुरू हुई। कथा से पूर्व कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा केशवनगर कथा स्थल से शुरू होकर कुड़ियाघाट तक पहुंची। जहां पर कलश में गोमती का जल लेकर पुनः कथा स्थल पर वापस पहुंचा गया। यात्रा में 251 महिलाएं सिर पर कलश रखे, पीले वस्त्र पहने भगवान के जयकारे लगाते हुए चलती रहीं। रास्ते मे राधे–राधे के उद्घोष से माहौल भक्तिमय रहा। कलश यात्रा के बाद दोपहर से भागवत कथा शुरू हुई। कथा के प्रथम दिन आचार्य पंडित अमित कृष्ण महाराज ने भागवत के महात्म का प्रसंग सुनाया। उसकी महिमा का बखान कर लोगों को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम में आयोजक एडवोकेट सीएल दीक्षित, मुख्य यजमान उत्कर्ष दीक्षित, आशुतोष, ज्ञानेंद्र कुमार, श्याम जी मिश्रा, श्रीनिवास, संतोष शुक्ला, राम नारायण मिश्रा, सुमन दीक्षित, बबिता, रश्मि, रिया सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अनिकेत अनी बने रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ-खास के अध्यक्ष

लखनऊ। रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ–खास ने अपने क्लब के अधिष्ठापन समारोह का भव्य आयोजन निराला नगर स्थित होटल द रेग्नेंट मे दीप प्रज्वलन के साथ किया। कार्यक्रम मे वर्ष 2022 –23 के लिए रोटेरियन अनिकेत ने अपनी पूरी टीम के साथ प्रेसिडेंट ,अदित्य अग्रवाल ने सेक्रेटरी और रोव प्रदीप ने कोषाध्यक्ष का पद भार गृहण किया। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3120 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इलेक्ट (2023– 24) रोटेरियन० सुनील बंसल थे। मानवता की सेवा करना एक उत्तरदायित्व है। समाज से हमें इतना कुछ प्राप्त होता है कि बदले में हम समाज के साधनहीन लोगों की मदद में जितना कर सकें, कम है और रोटरी क्लब इसमे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, ये शब्द थे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3120 के गवर्नर इलेक्टेड रो० सुनील बंसल के, जो उन्होंने रोटरी के अधिष्ठापन समारोह में व्यक्त किये। रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ खास की पूर्व प्रेसिडेंट सईदा रिजवी ने पर्यावरण में सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए लखनऊ के सभी क्लबों को बड़े पैमाने पर पौधारोपण करने के लिए सराहना की उन्होने कहा कि रोटरी क्लब द्वारा किए जा रहे जल संरक्षण, स्वच्छ भारत, स्वास्थ्य एवं भूख से मुक्ति कुछ अन्य ऐसे क्षेत्र हैं जिन पर समुदाय के सभी लोगों को मिलकर आगे आने और इसपर ध्यान देने की जरूरत है। शहर के एक होटल में आयोजित रंगारंग कार्यक्रम में क्लब प्रेसिडेंट अनिकेत अनी ने रोटरी सदस्यों का आह्वान करते हुए कहा कि आगामी वर्ष मे रोटरी ने अपने फोकस के 7 क्षेत्र और रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3120 के द्वारा प्रस्तावित कार्य योजना के 7 क्षेत्रों द्वारा हम समाज, देश और दुनिया को समश्द्ध, आत्मनिर्भर , और खुशहाल बनाने का संकल्प लेते हैं। रोटरी ने जिन 7 क्षेत्रों पर फोकस किया है वे इस प्रकार हैं बेसिक शिक्षा एवं साक्षरता, मातश शिशु स्वास्थ्य, शांति और संघर्ष निवारण, संकल्प, रोग निवारण और उपचार, स्वच्छ जल और सफाई, सामुदायिक और आर्थिक विकास और पर्यावरण का समर्थन तथा मण्डल स्तर पर किए जाने वाले 7 प्रमुख कार्यक्रमों में शामिल होंगे रक्तदान एवं जागरूकता, वनीकरण, लघु वन विकास, जलाशयों,तालाबों का कायाकल्प, बाल टीकाकरण – सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण, समुदाय का आकलन और इलाज के लिए जांच, केजी से पीजी तक अड़ोप्ट कर शिक्षित करें, महिला स्वच्छता और आत्मनिर्भरता–सेनेटरी पैड निर्माण और बिक्री। क्लब के वरिष्ठ सदस्य और कोशाध्यक्ष रोटेरियन प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि हमें देश से अशिक्षा दूर करने के रोटरी के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में पूरे प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने पोलियो मुक्त भारत का सपना साकार कर दिखाया, अब हमारा अगला लक्ष्य संपूर्ण साक्षरता का है। इसके लिए जरूरी है कि हर बच्चे को स्कूल भेजा जाये और इसके लिए सरकारी स्कूलों की मदद की जाये, ताकि हर स्कूल, प्रसन्न् स्कूल (हॅप्पी स्कूल) का हमारा उद्देश्य पूरा हो सके। उन्होने आगे कहा कि अलीगंज क्षेत्र के सबौली गांव मे रोटरी क्लब लखनऊ ''खास'' द्वारा संचालित प्रौढ शिक्षा कार्यक्रम के तहत 50 महिलाओ को साक्षर और 50 महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सिलाई कटाई आदि मे प्रशिक्षित किया जा रहा है, पूर्व अध्यक्ष और रोटरी मीडिया एवं पब्लिक इमेज कमेटी के चेयरमैन श्री प्रमिल द्विवेदी ने कहा कि क्लब का मानवता के निःस्वार्थ सेवा का एक लम्बा इतिहास है, पोलियो मुक्त भारत का सपना साकार कर दिखाया, अब हमारा अगला लक्ष्य संपूर्ण साक्षरता और प्रदूषण मुक्त पर्यावरण का है।

बाढ़ राहत केन्द्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्था दुरूस्त करने के दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री ने बुधवार को बक्शीबांध स्थित एस0टी0पी0 का निरीक्षण किया तथा वहां पर बाढ़ की स्थिति की जानकारी लेते हुए तैयारियों को दुरूस्त बनाये रखने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने एसटीपी की मशीनों तथा पम्पों की क्रियाशीलता की जानकारी ली तथा विद्युत विभाग के अधिशाषी अभियंता को विद्युत की आपूर्ति तथा सेपरेट फीडर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने वहां पर रिसाइकिलिंग पानी तथा पम्पों की स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया है कि सभी पम्प क्रियाशील रहने चाहिए। उन्होंने एसडीएम सदर को नावों की टैगिंग कराये जाने का निर्देश दिया है। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने अल्लापुर स्थित पम्पिंग स्टेशन का भी निरीक्षण किया तथा सभी मशीनों की क्रियाशीलता को चेक किया तथा अधिशाषी अभियंता सिंचाई बाढ़ खण्ड एवं नगर निगम को निर्देशित किया कि सभी पम्प क्रियाशील स्थिति में रहने चाहिए। मोरी गेट पम्पिंग स्टेशन, दारागंज का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने वहां पर भी मशीनों की क्रियाशीलता सहित सभी पम्पों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने सम्भावित बाढ़ से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में रह रहे लोगो को सर्तक कराये जाने का निर्देश उपजिलाधिकारी सदर को दिया है। जिलाधिकारी ने गंगा एवं यमुना नदियों के निरंतर बढ़ रहे जलस्तर को देखते हुए कछारी एवं तटीय क्षेत्रों में लोगो को सर्तक करने के साथ–साथ उनके सिफ्टिंग करने के लिए शरणालय में साफ–सफाई सहित सभी व्यवस्थायें चुस्त–दूरूस्त करने के लिए कहा है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्री जगदम्बा सिंह, उपजिलाधिकारी सदर श्री युवराज सिंह सहित बाढ़ खण्ड के अधिशाषी अभियंतागण, विद्युत विभाग के अभियंतागण सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर 138 बन्दियों की हुई समय से पूर्व रिहाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर 15 अगस्त 2022 के सुअवसर पर प्रदेश के विभिन्न कारागारों में निरूद्ध कुल 138 बंदियों की समय से पूर्व रिहाई की गयी है। अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने उक्त जानकारी देते हुये बताया कि इसमें से आजादी का अमृत महोत्सव 15 अगस्त 2022 (स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ) के अवसर पर सीमित सजा वाले 80 बन्दियों की रिहाई की गयी है। श्री अवस्थी ने बताया कि इसके अलावा स्थाई नीति के अन्तर्गत (दया याचिका के आधार पर) आजीवन कारावास की सजा से दण्डित 58 सिद्धदोष बन्दियों की रिहाई के भी निर्देश दिये गये हैं। इस प्रकार स्वाधीनता दिवस के अवसर पर कुल 138 सिद्धदोष बन्दियों की रिहाई की गयी है। उल्लेखनीय है कि उक्त के अतिरिक्त मार्च 2022 से उक्त आदेश के पूर्व तक 679 बन्दियों की समय पूर्व रिहाई के आदेश निर्गत किये गये।

शिया पीजी कॉलेज में नशा मुक्ति पर रैली का आयोजन हुआ

लखनऊ। बुधवार की दोपहर शिया पीजी कॉलेज के एनएसएस एवं एनसीसी विभाग व शारीरिक शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन व जिला अधिकार लखनऊ के आदेशानुसार नशा मुक्ति से सम्बन्धित एक रैली का आयोजन किया गया जिसमे

एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवक व शारिरिक शिक्षा विभाग के छात्रध छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर एनएसएस प्रभारी डॉ वहीद आलम ने कहा कि देश आजादी की 75 वीं वर्षगांठ मना रहा है लेकिन देश अभी भी नशा से पूरी तरह आजाद नही हुआ है। युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए तभी एक सशक्त देश का निमार्ण संभव होगा। सरकार को लगातार नशा से क्या नुकसान समाज व देश को पहुंच रहा है से सम्बन्धित जानकारी आम जन तक टीवी, प्रिंट मीडिया व सोशल मीडिया के माध्यम से फैलानी चाहिए ताकि जागरूकता फैलाई जा सके। शारिरिक शिक्षा विभाग निदेशक डॉ जय सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा की नशा देश की प्रगति के लिए सबसे बड़ा बाधक है। आज के युवा पीढ़ी नशा की तरफ बढ़ रही हैं जो देश हित में नही है इस तरह के नशा मुक्ति कार्यक्रमों का आयोजन होते रहने चाहिए जिससे लोगो में जागरुकता पैदा हो और वो नशे से दूर रहें। इस अवसर पर विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई गई।

पुरूषों ने रसोई का बादशाह प्रतियोगिता में दिखाया कुकिंग का कौशल

लखनऊ। फर्नीचर और होमवेयर शॉपिंग डेस्टिनेशन, होम सेंटर ने अपने ब्रांड एम्बेसडर और शेफ रणवीर बरार के साथ फीनिक्स पैलेसियो मॉल में रसोई का बादशाह प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह अद्वितीय प्रतियोगिता लखनऊ के पुरुषों के लिए थी और इसमें उन्हें अपने कुकिंग के कौशल का प्रदर्शन करने का मौका मिला। प्रतियोगिता के जज शेफ रणवीर बरार थे। लखनऊ शहर न केवल खाने का स्वाद लेता है, बल्कि स्वादिष्ट व्यंजन भी उतने ही उत्साह के साथ बनाता है, जो होम सेंटर द्वारा आयोजित रसोई के बादशाह को मिली बेहतरीन प्रतिक्रिया में देखने को मिला। इस कुकिंग प्रतियोगिता के फाईनल में पहुँचने से पहले प्रतियोगियों को अनेक राउंड्स से गुजरना पड़ा। फाईनल राउंड के जज शेफ रणवीर ब्रार थे और उन्होंने विजेता पहले रनर अप और दूसरे रनर अप की घोषणा की, जो क्रमशः देवैया, अभिषेक और सूर्य प्रताप थे। विजेताओं को होम सेंटर की ओर से गिफ्ट कार्ड दिए गए। होम सेंटर फर्नीचर एवं होमवेयर में भारत का अग्रणी रिटेलर है। 30 से ज्यादा शहरों में 60 से ज्यादा स्टोर्स और ऑनलाईन पहुँच के साथ होम सेंटर फर्नीचर, सॉफ्ट फर्नीशिंग्स, कुकवेयर, टेबलवेयर, डेकोर आदि की विस्तृत व प्रभावशाली श्रृंखला प्रस्तुत करता है। यहाँ पर इन–हाउस स्टाईलिस्ट्स की एक टीम वैश्विक ट्रेंड्स से प्रेरणा लेती है और ग्राहकों को किफायती मूल्य में बेहतरीन फर्नीचर एवं होमवेयर की श्रृंखला प्रदान करती है, जो पारंपरिक से लेकर आधुनिक घरों की विविध तरह की जरूरतों को पूरा करते हैं।

अटक सकती है तमाम किसानों की सम्मान निधि

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में किसान सम्मान निधि की बाट जोह रहे किसानों को अभी इस सहायता राशि के लिये लंबा इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि मोदी सरकार ने किसान सम्मान निधि पाने वाले किसानों के कृषक भूमि का सत्यापन कर उसका डाटा अपलोड करना अनिवार्य कर दिया है,लेकिन यूपी सरकार के अधिकारियों की लापरवाही से अभी तक पूरे प्रदेश में 03 फीसदी से भी कम किसानों का डाटा अपलोड हो सका है।अब श्करे कोई और भरे कोई की कहावत किसानों के साथ चरितार्थ होने वाली है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही किसानों को सुविधाएं पहुंचाने के लिए दिन–रात एक कर रहे हैं, लेकिन बावजूद उनकी उनकी लाख कोशिश अधिकारियों की लापरवाही से किसानों को सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत कृषकों की भूमि सत्यापन डाटा को अपलोड करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई थी, लेकिन लक्ष्य का सत्यापन तीन फीसदी भी नहीं हो पाया है। शुक्र मनाइए कि अपलोड करने का समय 25 अगस्त तक बढ़ गया है, लेकिन फिर इस पहाड़ जैसे डाटा एक सप्ताह में अपलोड करना मुश्किल है। 28576254 किसानों के भूलेख का डाटा फीड करना है, इसमें से 12 अगस्त तक मात्र 870818 किसानों का भूलेख ही अपलोड हो पाया है। अपर मुख्य सचिव डाक्टर देवेश चतुर्वेदी ने मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर जल्द डाटा अपलोड कराने के निर्देश भी दिये हैं। पत्रांक संख्या 66/2022/485/12–5–2022–सा. 01ध्2019 में कहा गया है कि शासनादेश संख्या 42ध्2022ध्14–भास12/05/2022 के तहत 30 जून 2022 को ही आदेश दिया गया था कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनातंर्गत जनपद स्तर पर कृषकों की भूमि का सत्यापन डाटा की अपलोडिंग एवं ई–केवाईसी विषयक कार्य 31 जुलाई तक शत–प्रतिशत पूर्ण कर लिये जाएं। इस संदर्भ में बार–बार विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से भी अवगत कराया जाता रहा है। कार्य पूर्ण न होने के दृष्टिगत भारत सरकार द्वारा इस विषय में शत–प्रतिशत कार्य पूर्ण किये जाने के लिए समय सीमा 25 अगस्त निर्धारित की गई है। यदि समय से अपलोडिंग का कार्य नहीं हुआ, तो राज्य के कृषकों को लाभ भी समय से नहीं मिल सकेगा। बाध्य होकर जनपद स्तर पर उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए संबंधित के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। जनपद अंबेडकरनगर, अमेठी, बस्ती, चंदौली, हापुड़, जालौन, सिद्धार्थनगर, लखनऊ, मऊ, सहारनपुर, हमीरपुर में तो अपलोडिंग 12 अगस्त तक शून्य रही। प्रदेश की स्थिति यह है कि 28576254 कृषकों का भूलेख अंकन के लिए डाउनलोड किये कृषकों की संख्या है, जिसमें तहसीलों द्वारा पीएम किसान पोर्टल पर अपलोड की प्रगति 12 अगस्त तक मात्र 870818 कृषकों का ही रिकॉर्ड सत्यापन के बाद अपलोड हो सका है अर्थात अभी 2,77,05,436 किसानों का सत्यापन अपलोड करना है।

सीएमओ ने स्वास्थ्यकर्मियों को सम्मानित किया

लखनऊ। आजादी के अमश्त महोत्सव के तहत आयोजित कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले अधिकारी और कर्मियों को सीएमओ डॉ. मनोज अग्रवाल ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

सीएमओ ने कहा कि बेहतर इलाज मुहैया कराएं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित सरकारी योजनाओं के बारे में लोगों को बताएं।

इस मौके पर डिप्टी सीएमओ डॉ. आरके चौधरी, डॉ. अनूप श्रीवास्तव, डॉ. एपी सिंह व जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी योगेश रघुवंशी आदि मौजूद रहे। समारोह में सेन्टर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च(सीफार) के तत्वावधान में आकार फाउंडेशन के कलाकारों ने काकोरी ब्लॉक के अमेठिया सलेमपुर में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर संचारी रोग से बचाव के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटक का मंचन किया।

लता मंगेशकर चौक के विरोध में उतरे संत

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या में लता मंगेशकर चौराहे का विरोध संतों ने शुरू कर दिया है। बुधवार को मणिराम दास छावनी में प्रमुख संतों ने बैठक की। इसके बाद संतों ने नया घाट पर केवल रामानंदाचार्य के नाम से चौराहे पर निर्माण चाहते हैं। इस बात को लेकर सहमति बनी। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के आश्रम में पहले 25 प्रमुख महंतों ने गोपनीय बैठक की। इसके बाद संत मीडिया से रुबरू हुए। उन्होंने कहा कि अधिकारी सीएम योगी को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या रामानंदाचार्य सम्प्रदाय के बाहुल्य संतों की नगरी है। नया घाट सरयू तट के नजदीक और धार्मिक रूप से अत्यन्त महत्वपूर्ण है। यहां केवल रामानंदाचार्य की मूर्ति लगाकर उनका चौक और विशाल ऑडिटोरियम बनाया जाय। नया घाट से लेकर टेढ़ी बाजार चौराहे तक मार्ग का नाम भी रामानंदाचार्य के नाम पर ही होना चाहिए। मणिराम दास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास शास्त्री ने कहा कि लता जी का चौक बने उसका कोई विरोध नहीं है पर नयाघाट पर केवल रामानंदाचार्य का

चौक ही स्वीकार होगा। इसके लिए योगी आदित्यनाथ से मिलकर उन्हें अपनी पीड़ा बताएंगे। उन्हें अधिकारी गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम संत हर प्रकार से अपनी मांग के समर्थन में विरोध के लिए तैयार हैं। पर हमें विश्वास है कि कि ब्ड हमारी भावनाओं को समझेंगे और इसकी नौबत ही नहीं आएगीस श्रीरामवल्लभाकुंज के प्रमुख एवं अयोध्या तीर्थ विवेचिनी सभा के अध्यक्ष स्वामी राजकुमार दास ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को पत्र हम अपनी मांग रखेंगे। नयाघाट चौराहा का नाम लता मंगेशकर के बजाय और रामानंदाचार्य के नाम पर ही हो। मुस्लिम आक्रांताओं का विरोध कर हिंदुत्व की रक्षा करने वाले रामानंदाचार्य हमारे लिए सर्वस्व है। लता जी के नाम से अयोध्या के अन्य किसी स्थान पर चौक बना लिया जाए तो हम संतों को कोई परेशानी नहीं होगी। रामानंदाचार्य सम्प्रदाय से जुड़े विश्व में करोड़ों लोग है। जिनकी भावनाओं को हम सभी प्रतिनिधि के रूप में सरकार के सामने रख रहे हैं। स्वामी राजकुमार दास ने कहा कि सरकार चाहेगी तो हम संत खुद के ध्यान से रामानंदाचार्य चौक का निर्माण करा सकते हैंस इसके लिए खाक चौक के महंत बृज मोहन दास महाराज मूर्ति का खर्च अकेले देंगे। बैठक में महंत छविराम दास, महामंडलेश्वर गिरीश दास, महंत अंजनी शरण,नाका हनुमानगढ़ी के महंत राम दास,महंत रामजी शरण , करतलिया आश्रम के महंत रामदास आदि मौजूद रहे।

आरएसएस ने भगवा ध्वज को रक्षासूत्र बांध रक्षा बंधन मनाया

बहराइच। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरएसएस के तत्वावधान में रक्षाबंधन उत्सव पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में संघ के जिला संघचालक कृष्णानन्द शुक्ल उपस्थित रहे।

ग्राम अटैठइसा में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ संघचालक ने भगवा ध्वज को रक्षासूत्र बांधकर किया। कार्यक्रम में कृष्णानंद ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व हमें सारे समाज को एक सूत्र में बंधकर खड़े होने की प्रेरणा देता है। हमें समाज व राष्ट्र की रक्षा के लिए संकल्प लेना चाहिए।

रामचरित मानस की चौपाई का उदाहरण देते हुए कहा कि परहित सरिस धर्म नहिं भाई, पर पीड़ा सम नहिं अधमाई। अर्थात– दूसरों की भलाई के समान कोई धर्म नहीं है और दूसरों को दुःख पहुंचाने के समान कोई पाप नहीं है। कहा कि हम सभी को जातीय भेदभाव को दूर कर एक समरस समाज की स्थापना करनी है, क्योंकि समरस भारत, समर्थ भारत।

यूक्रेन से लौटे छात्रों के भविष्य पर बोले- हम कोई न कोई रास्ता अवश्य निकालेंगे

प्रयाग दर्पण संवाददाता

गोण्डा। जिले में आज उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल गोंडा पहुंचे। अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष शेष नारायण मिश्रा के घर पर पहुंचकर उनके परिजनों से संवेदना व्यक्त की। वहीं उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनको श्रद्धांजलि दी। उसके बाद डिप्टी सीएम मंडलीय समीक्षा बैठक के लिए सर्किट हाउस के लिए रवाना हो गए। आज देवीपाटन मंडल में मंडलीय समीक्षा बैठक करने के बाद डिप्टी सीएम बश्जेश पाठक लखनऊ के लिए रवाना होंगे। उनके साथ राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल मौजूद रहे। वहीं गोंडा के सांसद कीर्तिवर्धन सिंह के साथ एमएलसी और सभी बीजेपी विधायक मौजूद रहे। आपको बता दें कि अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष शेष नारायण मिश्रा का बीते दिनों इलाज के दौरान लखनऊ में मौत हो गई थी। उसके बाद उनके पार्थिक शरीर को गोंडा लाया गया था। पड़ोसी जनपद अयोध्या में उनका अंतिम संस्कार किया गया था। जिसमें बीजेपी

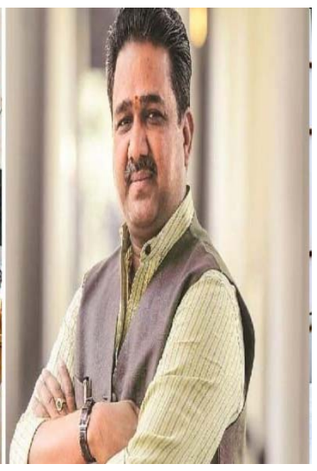

के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह सहित अन्य बीजेपी नेता शामिल हुए थे। वहीं जब डिप्टी सीएम बश्जेश पाठक से यह सवाल पूछा गया कि यूक्रेन के जो मेडिकल के छात्र हैं वह भारत चले आए हैं लेकिन वह परेशान हैं उसके लिए सरकार क्या कर रही है? इस पर उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि यह सूचना मिली है। हम लोग कोई ना कोई रास्ता निकालने का प्रयास करेंगे। देखिए जैसा होगा हम अध्ययन करके पूरी बात बताएंगे आपको। उन्होंने गोंडा में मंडलीय अधिकारियों के साथ सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक की है। सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की अधिकारियों द्वारा रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई।

संक्षिप्त खबरे

नब्बे वर्षीय बुजुर्ग को पौत्र व बहू ने घर से किया बेदखल

बाराबंकी। घुंघटेर थाना अंतर्गत ग्राम पिंडसावां निवासी नब्बे वर्षीय बुजुर्ग शांती देवी पत्नी स्व चंद्रिका प्रसाद ने अपने पौत्र सौरभ व बहू सुशीला पर घर ने निकाल कर कमरे में ताला बंद कर उत्पीड़न करने के विरुद्ध मुख्यमंत्री समेत उच्चाधिकारियों को प्रार्थना पत्र भेज कर कार्यवाही की मांग की ह

उच्चाधिकारियों को भेजे शिकायती पत्र में पीड़ित शांती देवी ने कहा है कि पिंडसावां स्थित उसके मकान में उनके हिस्से पर उनके पौत्र सौरभ पुत्र स्व सुशील व सुशीला पत्नी स्व सुशील ने कब्जा कर घर से बेदखल कर दिया। विरोध करने पर दोनों विपक्षी पुलिस को गुमराह कर धमकी दिलवाते है। पीड़िता के बड़े पुत्र सरोज व परिजन जब इस कृत्य का विरोध करते हैं तो उन्हें भी जेल भिजवाने की धमकी देते हैं। इस संबंध में पीड़िता ने कई बार थाना व उपजिलाधिकारी फतेहपुर को प्रार्थना पत्र दिया किंतु कार्यवाही नही की गई उल्टे विपक्षी जनों का साथ दिया गया।

मोबाइल पर मैसेज कर मांगी 11 लाख की फिरौती, पुलिस की कई टीमें कर रहीं जांच

गोण्डा। जिले की कौड़िया बाजार थाना क्षेत्र के अंतर्गत अपहरण की एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। बेटे के फोन पर मैसेज कर अपहरणकर्ताओं ने 11 लाख रुपए की मांग की है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर कई टीमें गठित कर ैळ व सर्विलांस टीम को अपहरण की घटना के खुलासे के लिए लगाया गया है। साथ ही घटनास्थल का निरीक्षण भी अधिकारियों ने किया। ग्राम घुचुवापुर दाखिला कोचवा के रहने वाले रामसेवक तिवारी (58 वर्षीय) घर से खाना खाकर अपनी दुकान पर सोने के लिए आए थे। सोमवार की रात में वह दुकान पर थे। दुकान से कुछ दूर पर स्थित खेत देखने भी रात में 11 बजे गए थे। लेकिन सुबह 8रू00 बजे तक घर नहीं पहुंचे तो उन्हें देखने के लिए इनका बेटा प्रवीण दुकान पर गया।

लेकिन दुकान पर भी नहीं मिले। रामसेवक के मोबाइल नंबर पर उनके बेटे प्रवीण तिवारी ने फोन मिलाया तो मोबाइल बंद मिला। बेटे प्रवीण तिवारी ने मंगलवार को कौड़िया पुलिस थाने में जाकर के गुमशुदगी की सूचना दी थी। पुलिस गुमशुदगी दर्ज कर आगे की विधि कार्रवाई में जुटी हुई थी। सोमवार रात में 2.37 पर रामसेवक तिवारी के मोबाइल नंबर से बेटे प्रवीण तिवारी के मोबाइल नंबर पर मैसेज आया कि तुम्हारे पिताजी का अपहरण हो गया है।

जेल में बन्दी ने फांसी लगाकर दी जान'

शाहजहांपुर। जेल में बन्द बंदी ने फांसी के फंदे पर झूलकर जान दे दी। जेल में फांसी लगाने की सूचना मिलते ही जेल अधिकारियों के हाथ पांव फूल गए। आनन–फानन में जेल प्रशासन ने सिटी मजिस्ट्रेट को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद सिटी मजिस्ट्रेट के जेल में आने पर बंदी को फांसी के फंदे से नीचे उतारा गया। जेल प्रशासन ने बताया कि फांसी लगाने वाला बंदी पिछले 4 महीने से दहेज हत्या के केस में जेल में बंद था। आज अचानक दोपहर में बंदी ने अपने अन्गौछे से फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया।

यूपी की शाहजहांपुर जेल में ंदी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जेल में बंद बंदी ने अपने अन्गौछे से फांसी का फंदा बनाकर टॉयलेट में फांसी पर झूल गया। जेल में बंद बंदी के सुसाइड करने की खबर से जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। थाना मिर्जापुर क्षेत्र के ढाई गांव का रहने वाला शैलेश कुमार गुप्ता पिछले 4 महीने से दहेज हत्या के केस में जेल में बंद था। जिला कारागार में बंद बंदी शैलेश गुप्ता ने आज दोपहर बैरक के पड़ोस में बने टॉयलेट के बाहर छज्जे में निकली हुई सरिया में अन्गौछे से फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली।

जानलेवा हमले के दो फरार आरोपी गिरफ्तार

बहराइच। बौंडी थाने की पुलिस ने मंगलवार शाम दबिश देकर जानलेवा हमले मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को दबोच लिया है। गहन पूछताछ के बाद आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। बौंडी थानाध्यक्ष गणनाथ प्रसाद ने बताया कि थाने के दरोगा गोपाल तिवारी, मुख्य सिपाही संतोष यादव, अजय पटेल ने दबिश देकर बिसवां निवासी शिवकुमार सिंह व उसके बेटे रोहित सिंह को गिरफ्तार कर लिया। यह दोनों वारदात के बाद से फरार चल रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

युवती के अपहरण मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

बहराइच। रामगांव थाने की पुलिस ने युवती अपहरण मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के बाद उसे जेल भेजा गया है। रामगांव थाने के दरोगा शैलेन्द्र शर्मा, मुख्य सिपाही सच्चिदानंद सरोज, महिला सिपाही कंचन देवी ने मंगलवार शाम झिंगहा घाट पर दबिश दी। पुलिस ने देहात कोतवाली के मड़िया यादवपुर गांव निवासी अपसान को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि पूछताछ के बाद आरोपी को जेल भेजा गया है।

अधिवक्ताओं ने की हड़ताल की घोषणा,रेस्टोरेंट में हुई मारपीट का जताया विरोध

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। बीकापुर में बुधवार को वकीलों की बैठक हुई। इसमें शनिवार को रेस्टोरेंट में वकीलों के साथ हुई मारपीट का विरोध जताया गया। इस दौरान बीकापुर बार एसोसिएशन ने एक दिवसीय हड़ताल की घोषणा की। बीकापुर बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने विरोध दर्ज कराते हुए एक ज्ञापन एसडीएम के माध्यम से डीएम को भेजा। अधिवक्ताओं ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए सुरक्षा देने की मांग की। अधिवक्ताओं ने बताया, अयोध्या–सहादतगंज के पास स्थित कालिका हवेली नाम के रेस्टोरेंट में शनिवार रात 9.00 बजे भोजन करने गए थे। इस दौरान भोजन की गुणवत्ता को लेकर वहां कार्यरत कर्मचारियों से विवाद हो गया। रेस्टोरेंट के कार्यकर्ताओं ने अधिवक्ताओं के साथ मारपीट की। जानकारी होने पर फैजाबाद कचहरी के अधिवक्ता अगले

दिन हड़ताल पर चले गए। साथ ही प्रशासन की तरफ से पर्याप्त कार्रवाई न होने के निमित्त तहसील के अधिवक्ताओं से भी हड़ताल पर जाने का आह्वान किया।इसको लेकर बुधवार का बैठक बुलाई गई। जिसमें हमले की निंदा की गई। ज्ञापन सौंपने वालों में बार एसोसिएशन बीकापुर के अध्यक्ष राम सजीवन पांडेय, मंत्री श्रीकांत, पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश तिवारी, वरिष्ठ अधिवक्ता उमेश पांडेय, श्याम नारायण पांडेय, राम जगत तिवारी, पुष्पेंद्र मिश्रा, बृजेश यादव, सबीना और सुशील पाण्डेय आदि शामिल रहे।

बंभौरा न्याय पंचायत में हुआ उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

बहराइच। पंचायत राज विभाग, प्रजायत्न व सीबीएम के संयुक्त प्रयास से न्याय पंचायत बंभौरा के 10 ग्राम पंचायतों की शिक्षा समितियों के उन्मुखीकरण का बुधवार को आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के सात प्रधान और 33 वार्ड सदस्यों ने प्रतिभाग किया। बैठक में शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 को प्राथमिकता देने, समय– समय पर संयुक्त बैठक करने एवं पंचायत स्तर पर स्कूल में आ रही समस्याओं के समाधान आदि पर व्यापक चर्चा की गई। आयोजक अनिल त्रिपाठी ने कहा कि छह से 14 आयु वर्ग के सभी के लिए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा का वातावरण तैयार करना और दिव्यांग बच्चों की पहचान, नामांकन, उपकरण उपलब्धता, दैनिक योजना के साथ बच्चों के लिए बेहतर योजना बनाए जाने की बात कही। बैठक के आयोजन में अनिल त्रिपाठी, रामबाबू, असरा फातिमा आदि मौजूद रहे।

युवकों ने पहले पेट-पीठ पर बरसाए डंडे, बाद में पैंट उतरवाकर पैरों पर मारा

गोण्डा। गोंडा में दबंगों युवकों ने एक छात्र को पकड़कर जंगल में ले जाकर बेल्टों व डंडे से पीटा। नाबालिग छात्र युवकों के पैर पकड़कर छोड़ने की मिन्नतें मांगता रहा लेकिन दबंगों ने नहीं छोड़ा। छात्र की पीठ खून से लाल दिखी। दबंगों ने ही पिटाई का वीडियो भी बनाकर वायरल भी किया है। जानकारी के मुताबिक पीड़ित मनकापुर केंद्रीय विद्यालय में आईटीआई का छात्र बताया जा रहा है। दबंगों ने पहले छात्र को उसके स्कूल से उठाया, उसके बाद सूनसान जंगल में अंधियारी के पास ले गए। जहां उसपर सभी टूट पड़े। वीडियो में देखा जा सकता है कि दबंगों ने छात्र की शर्ट उतरवाई और उसके बाद चार युवक बेल्टों व बेशर्म के डंडे बरसाने लगे। पिटाई के दौरान छात्र जमीन पर गिर जाता है लेकिन युवक उसे पीटते रहते हैं।

पीड़ित छात्र उत्कर्ष का नाम लेकर उसे छोड़ने की मिन्नतें कर रहा है। उसके बाद आदेश नाम के युवक के पैर पकड़कर माफी भी मांगता है। लेकिन युवक उसे पीटते रहते हैं। 5 मिनट तक पीटने के बाद वीडियो बना रहा युवक छात्र की पैंट उतरवाकर पीटने को कहता है,उसके बाद छात्र की पैंट उतरवाते हैं और फिर पैरों पर भी बेल्ट व डंडे मारने लगते हैं। छात्र रोता, चीखता रहता है और मिन्नतें मांगता रहता है। करीब 10 मिनट तक पांचों युवक उसे जानवरों की तरह पीटते रहते हैं। छात्र की पीठ खून से लाल हो जाती है और वह रोता रहता है। इस दौरान दबंग पीड़ित से स्कूल से नाम कटवाने की धमकी देते नजर आए। मनकापुर कोतवाल मनोज राय के अनुसार वीडियो कुछ दिन पुराना है। दो पक्षों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। जिसके बाद वे लोग लड़के को अकेले में ले जाकर पीटते हैं। किसी पक्ष ने तहरीर नहीं दी थी, इसीलिए एफआईआर नहीं दर्ज की गई। दोनों पक्षों ने सुलह कर लिया है।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की पहल पर हुई शुरुआत

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की पहल पर यूपी के सभी विकास खंड में महीने के पहले और तीसरे बुधवार को ब्लॉक दिवस को आयोजन की शुरुआत है गई है। माना जा रहा है कि यह व्यवस्था लागू होने से ग्रामीण स्तर के लोगों की समस्याएं अब ब्लॉक स्तर पर ही निस्तारित हो सकेंगी। बाराबंकी में बुधवार को सभी विकास खंड

पर ब्लॉक दिवस मनाया गया। जहां लोग अपनी–अपनी समस्या को लेकर ब्लॉक दिवस में पहुंचे। जहां अधिकारियों ने कुछ समस्याओं का मौके पर निस्तारित किया और कुछ समस्याओं को संबंधित अधिकारी को जल्द से जल्द निस्तारित करने का निर्देश दिया। जनता की समस्याओं का त्वरित निवारण हो इसके लिए यूपी सरकार ने तहसील दिवस की तर्ज पर अब ब्लॉक दिवस मनाने के निर्देश दिए हैं। अब प्रत्येक माह के पहले और तीसरे बुधवार को ब्लॉक दिवस होगा। आज बुधवार को बाराबंकी के सभी 15 विकास खंड पर ब्लॉक दिवस आयोजित किया गया। बंकी ब्लॉक के खंड विकास अधिकारी बृज भूषण तिवारी ने बताया कि शासन के निर्देश पर ब्लॉक के सभी अधिकारियों की मौजूदगी में ब्लॉक दिवस आयोजित किया गया है। जिसमें कुल 7 शिकायतें प्राप्त हुई। जिनमें से 4 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष 3 शिकायतें संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध करा दी गई है। जिन्हें तीन दिवस में निस्तारित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अमृत महोत्सव के अन्तर्गत112 पीआरवी वाहनों द्वारा किया गया तिरंगा मार्च

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अवसर पर यूपी–112 पीआरवी वाहनों द्वारा कोतावाली नगर क्षेत्र में तिरंगा मार्च–पास्ट निकाल कर आमजन मानस के साथ उत्सव मनाया गया। स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगाठ के अवसर पर देश भर में मनाये जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 07 दिवसीय कार्य योजना के सप्तम दिवस पर आज कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत यूपी–112 पीआरवी वाहनों द्वारा तिरंगा मार्च पास्ट कार्यक्रम आयोजित किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी ६ नोडल अधिकारी यू०पी०– 112 श्री पूर्णेन्दु सिंह द्वारा पीआरवी वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर तिरंगा मार्च पास्ट का शुभारम्भ किया गया। तिरंगा मार्च पास्ट में पीआरवी की 12 चार पहिया एवं 08 दो पहिया वाहन सम्मिलित हुए। तिरंगा मार्च पास्ट रिजर्व पुलिस लाइन्स बाराबंकी से प्रारम्भ होकर देवा तिराहा, असैनी मोड़, चौपुला

रामनगर तिराहा, नाका सतरिख चौराहा, धनोखर चौराहा, नेवलेट तिराहा, छाया चौराहा होते हुए पुलिस लाइन्स बाराबंकी में 22 किलोमीटर की दूरी तय कर समाप्त हुआ। समापन के अवसर समय पुलिस द्वारा आमजनमानस के बीच मिष्ठान वितरण कर अमृत महोत्सव हर्षोउल्लास पूर्वक मनाया गया। तिरंगा मार्च पास्ट के दौरान पीआरवी द्वारा देशभक्ति गीतों के माध्यम से आमजनमानस में देशभक्ति की भावना जाग्रत की गयी। उक्त कार्यक्रम में मनोज कुमार पाण्डेय, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी, नवीन कुमार सिंह क्षेत्राधिकारी सदर, सुमित त्रिपाठी प्रशिक्षणाधीन पुलिस उपाधीक्षक, हर्षित चौहान प्रशिक्षणाधीन पुलिस उपाधीक्षक, ज्ञान सिंह वर्मा पीएमवीओ 112 मुख्यालय लखनऊ, प्रतिसार निरीक्षक रिजर्व पुलिस लाइन्स बाराबंकी व प्रभारी निरीक्षक यू०पी०– 112 बाराबंकी आदि अधिकारीध्कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय बोली, भाषाओं व संस्कृति का संरक्षण बहुत जरूरी रू राधेश्याम

बाराबंकी। संस्कृति विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एवं गुलजार फाउण्डेशन द्वारा उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय भोजपुरी लोकरंग महोत्सव का शुभारंभ राजकीय इण्टर कॉलेज बाराबंकी के कम्प्यूटर हॉल में किया गया।मुख्य अतिथि राधेश्याम प्रधानाचार्य राजकीय इण्टर कालेज बाराबंकी ने कहा कि क्षेत्रीय बोली भाषाओं व संस्कृति का संरक्षण बहुत जरूरी कार्य है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों से समाज में एक नई ऊर्जा मिलती है। ऐसे कार्यक्रमों के लिए सरकार भी संकल्पित है। भोजपुरी लोकरंग गीत महोत्सव की अध्यक्षता करते हुए प्रदीप सारंग संस्थापक आँखें फाउण्डेशन व ग्रीन गैंग ने कहा कि स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन से समाज में नई चेतना व एकता के भाव पैदा होते हैं। सरकार के ऐसे कदमों की प्रशंसा करते हुए क्षेत्रीय बोलियों के उन्नयन हेतु गठित अनेक अकेडमी के लिए धन्यवाद दिया गया।

यूपी का गांधी के खिताब से नवाजे गए राजनाथ शर्मो

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। आजादी के अमृत महोत्सव अर्न्तगत गांधी भवन में वयोवृद्ध समाजसेवी एवं प्रख्यात चिकित्सक डॉ ए.ए. अंसारी ने गांधीवादी राजनाथ शर्मा को 'यूपी का गांधी' खिताब से नवाजा। इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व ब्यूरोक्रेट वीरेन्द्र कुमार सिंह (आईएएस) ने श्री शर्मा को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड देकर सम्मानित किया। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि वीरेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव पर महात्मा गांधी को याद किया जाना उनकी प्रसांगिकता को दर्शाता है। गांधीजी ने देश की आजादी के लिए देशवासियों को अहिंसा और सत्य की राह दिखाकर, ब्रिटिश सरकार के खिलाफ मुहिम चलाई। उनके इसी अहिंसक आन्दोलन से ब्रिटिश हुकूमत का सफाया हुआ। श्री सिंह ने कहा कि बाराबंकी के गांधी भवन में आकर सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। गांधीवादी राजनाथ शर्मा जी ने महात्मा गांधी के उन विचारों

और सिद्धांतों को जिन्दा रखा है। जिनसे समाज दूर होता चला जा रहा है। उनके किए जा रहे सामायिक आन्दोलन इस बात की प्रमाणिकता सिद्ध करते हैं कि गांधी प्रसांगिकता कभी कम होने वाली नहीं है। इस मौके पर वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. ए.ए. अंसारी ने कहा कि राजनाथ शर्मा एक लम्बे समय से संघर्षशील जीवन जी रहे है, जिसकी सियासी धुरी महात्मा गांधी और डा लोहिया हुआ करते थे। उन्होंने जीवन में सादगी और समाजवाद को अंगीकार किया। वह गांधी के सिद्धान्तों पर चलने वाले एकमात्र गांधीवादी है।

पं. ओंकार नाथ ठाकुर की स्मृतियों को पुनर्जीवित करने के लिए हुआ कार्यक्रम

बाराबंकी। संस्कार भारती , अवध प्रान्त की इकाई बाराबंकी के आह्वान पर वंदे मातरम् गौरव गान का गायन पन्द्रह अगस्त को जनपद की अनेक संस्थाओं द्वारा अपने परिसर में करवाया गया । इस गीत का सबसे प्रथम गायन पं. ओंकार

नाथ ठाकुर ने आकाशवाणी से किया था । उनकी स्मृतियों को पुनर्जीवित करने के लिए आनन्द विहार इ .का. लखपेड़ाबाग में प्रान्तीय मंत्री शिवकुमार व्यास, राजकीय बालिका हाईस्कूल असदामऊ बेलहरी में जिलाध्यक्ष डॉ अम्बरीष अम्बर प्राचीन बड़ी देवी मंदिर गुलहारिया गार्दा में संगीत विधा संयोजक प्रभात नारायण दीक्षित तथा प्रतिभा इ .का . नरेनी देवा में प्रधानाचार्य इन्द्र कुमार वर्मा के नेतृत्व में सम्पूर्ण वंदे मातरम् का गायन किया गया । कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष अजय प्रधान, मंत्री द्वय ओ पी वर्मा ओम व प्रदीप महाजन, सदस्य यश अवस्थी व अन्य अनेक संभ्रांत नागरिक उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।